

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40] नई दिल्ली, सनिवार, अक्टूबर 5, 1985 (आश्विन 13, 1907)  
No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 5, 1985 (ASVINA 13, 1907)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### विषय सूची

पृष्ठ		
भाग I—खण्ड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	729	
भाग I—खण्ड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1237	
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गये संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	9	
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1371	
भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*	
भाग II—खण्ड 1-क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	
भाग II—खण्ड 2—विशेषक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिना तथा रिपोर्टें	*	
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संच साक्षित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपलब्धियां आदि भी शामिल हैं)	*	
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संच साक्षित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं	*	
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संच साक्षित क्षेत्रों के प्रशासकों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और सांख्यिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपलब्धियां भी शामिल हैं) के हिन्दी में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राष्ट्रपति के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)		
भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए सांख्यिक नियम और आदेश		
भाग III—खण्ड 1—उच्चतम न्यायालय, महान्यायाधीश, संच लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासकों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	33385	
भाग III—खण्ड 2—वैदिक कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस	709	
भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	—	
भाग III—खण्ड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांख्यिक निकाशों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	1803	
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्ति और गैर-सरकारी निकायों द्वारा विज्ञापन और नोटिस	169	
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़े जो दिखाने वाला समुद्रक	*	

\*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

## CONTENTS

	PAGE		PAGE
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	729	PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including by-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	1237	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	9	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	33385
PART I—SECTION 4—Notification regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	1371	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	709
PART I—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Acts, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	1803
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	169
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, by-laws, etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India, (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*	PART V—Supplement showing statistics of Birth and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	*		

**भाग I—खण्ड 1**  
**[PART I—SECTION 1]**

**(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं**

**[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]**

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1985

सं० 98-प्रेज/85--राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री देवी मदन सिंह,

पुलिस निरीक्षक,

थाना भोगनीपुर,

जिला कानपुर बेहात।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

7 फरवरी, 1982 को श्री देवी मदन सिंह, पुलिस निरीक्षक, थाना भोगनीपुर, जिला कानपुर बेहात को सूचना मिली कि डाकू रघुनाथ मल्लाह अपने साथियों के साथ गांव मोगांव और रसूलपुर के बीच बरों में घर-घर के खेत में छहरेगा। श्री सिंह उपलब्ध बल के साथ गांव रसूलपुर पहुंचे। पुलिस दल की उपस्थिति का बोझ होने पर गिरोंह ने पुलिस दल पर अन्वधाधुन गांभीबारी शुरू कर दी। पुलिस ने जबाब में गोली चलाई और गिरोंह पर दबाव बना लिया। यह पूर्वनिर्माण लगाकर कि गिरोंह बचकर भाग निकलने की कोशिश में बरों में कूद सकता है, श्री सिंह नेने बुद्धिमता से पुलिस दल के एक वर्ग को पूर्व की ओर भेजा और उन्होंने स्वयं गिरोंह को गोलीबारी में लगाए रखा। युक्ति सफल हुई और गिरोंह दोनों ओर से घिर गया। दोनों ओर से भारी गोलीबारी होने के बाव पुलिस दल गिरोंह के नेता रघुनाथ मल्लाह जिसको पकड़ने के लिए राज्य सरकार ने पुरस्कार देने की घोषणा की थी, को भार झालने में सफल हुआ। उसके कब्जे से एक राइफल और भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किये गये। अन्य दो डाकू बरों से बचकर भाग गये।

इस मुठभेड़ में श्री देवी मदन सिंह, पुलिस निरीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस तथा उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस नियमावली के नियम 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 7 फरवरी, 1982 से दिया जायेगा।

सं० 99-प्रेज/85--राष्ट्रपति पंजाब पुलिस के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारियों के नाम तथा पद।

श्री बबशीश सिंह,

हैड कांस्टेबल सं० 1624/एल० डी० एच०,

श्री भूपेन्द्र सिंह राणा,

हैड कांस्टेबल सं० 1004/एल० डी० एच०।

(सरणोपराप्त)

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

21 सितम्बर, 1983, को श्री डी० आर० भाटी पुलिस वरिष्ठ प्रभिक्षक, जब निनी सेक्रेटेरिएट लुधियाना में अपने कार्यालय पहुंचे तो

4 अज्ञात उग्रवादियों ने उन पर और उनके यन्मन श्री भूपेन्द्र सिंह राणा, हैड कांस्टेबल, पर गोलियां चलाई। श्री भाटी को गोलीयों से दो जखम हुए--एक विल के नजदीक और दूसरा बाएं कंधे पर। अपने जखमों पर ध्यान न देते हुए, उन्होंने मानसिक सन्तुलन बनाए रखा और अपनी सविस रिवाइवर से हमलावरों पर 4 गोलियां चलाई। यन्मन जो श्री भाटी की रक्षा कर रहा था, ने भी अपनी स्टेनगन से उग्रवादियों पर गोलियां चलाई। बुभग्यवश श्री भूपेन्द्र सिंह राणा, हैड कांस्टेबल (यन्मन) ने उग्रवादियों की गोली से जखमी होने के कारण घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। श्री बबशीश सिंह हैड कांस्टेबल, जो अपनी मोटर साईकल पर पुलिस वरिष्ठ प्रभिक्षक के पीछे थे, ने गोली चलाई जिससे एक उग्रवादी मारा गया। तथापि तीन अन्य हमलावर भाग गए। उग्रवादी से एक पिस्तौल जिसमें 4 कारतूस भरे हुए थे, और 8 सश्रिय कारतूस बरामद किये गये।

श्री बबशीश सिंह, हैड कांस्टेबल और श्री भूपेन्द्र सिंह राणा हैड कांस्टेबल, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमावली 4 (1) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 21 सितम्बर, 1983 से दिया जाएगा।

सं० 100-प्रेज/85--राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारी का नाम तथा पद

श्री गिरीश नन्दन सिंह,

पुलिस उप प्रभिक्षक,

आगरा।

सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

17 मार्च, 1983 को श्री गिरीश नन्दन सिंह, पुलिस उप प्रभिक्षक को सूचना प्राप्त हुई कि डाकू सुरेन्द्र कुमार उर्फ हेकी अपने गिरोंह के 6-7 सदस्यों के साथ बाह के सवन बोहड़ में मुर्दा वाली नरिया में शरण लिए हुए हैं, जहां से वह अपनी एक पैशाचिक योजना को कार्य रूप देने का विचार कर रहा है। श्री गिरीश नन्दन सिंह ने उपलब्ध बल को एकत्र किया और इसे तीन दलों में विभाजित किया। इनमें से दो दलों को पीछे हट कर भागते हुए डाकुओं को रोकने के लिए कार्य करना था, श्री सिंह ने तीसरे दल का नेतृत्व स्वयं संभाला, जिसे क्षेत्र की खोजबीन करनी थी। भारी खतरे के बावजूद श्री सिंह अपने दल को बोहड़ की ओर ले गए और तेजी से डाकुओं के छिपने के स्थान की ओर बढ़े। डाकुओं के संतरी ने गिरोंह को सावधान किया, जिसने कई स्थानों से पुलिस दल पर गोशियां चलाना शुरू किया। पुलिस दल तैयारी से आगे बढ़ा और गोलीबारी का जबाब कारगर ढंग से दिया। अपराधी पुलिस की गोलीबारी के सामने नहीं टिक सके और पीछे हट गए। श्री सिंह अपने दल को उस गली के साथ-साथ ले गए जहां डाकुओं ने गली के दोनों तरफ पहले ही मोर्चा संभाल रखा था। जैसे ही पुलिस दल आगे बढ़ा उस पर दोनों ओर से गोलियां चलाई जाने

लगी और वह बीच में फँस गया। इस कठिन परिस्थिति में पुलिस बल की रक्षा तभी की जा सकती थी जब किसी चोटी के ऊँचे स्थानों से गोलीबारी की जाती। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए श्री सिंह ने इस कठिन कार्य को स्वयं संभाला और ठाकू तथा किनारों पर चढ़ने के बाद डाकुओं की परवाह किए बिना चोटी पर पहुँच गए। उन्होंने इस स्थिति से डाकुओं पर गोलीबारी की और इसमें डाकुओं का गिरोह बहुत क्षतिग्रस्त और भयभीत हुआ। इसी दौरान पुलिस दल भी श्री सिंह के साथ आ मिला। रोकने वाले दल को मावधान करने के बाद उन्होंने गिरोह पर जबरदस्त हमला कर दिया जिसमें एक डाकू मारा गया। तथापि गिरोह के शेष लोग घनी आड़ियों में बच कर भाग गए।

इस मुठभेड़ में श्री गिरीश तन्वन सिंह, पुलिस उपअधीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमवली के नियम 4 (1) के अर्हता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अर्हता विशेष स्वीकृत भत्ता दिनांक 17 मार्च, 1983 से दिया जायेगा।

सं० 101-प्रेज/85--राष्ट्रपति उत्तर प्रदेश के निम्नांकित अधिकारियों का उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारियों के नाम तथा पद

श्री राम नारायण शर्मा,  
पुलिस अधीक्षक,  
श्री राजेन्द्र कुमार सिंह,  
पुलिस निरीक्षक,  
श्री मदन लाल वर्मा,  
पुलिस उपनिरीक्षक।

वे शर्मा का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

12 अप्रैल, 1984 की शाम को श्री मदन लाल वर्मा, उप निरीक्षक, और उनका दल जब गाँव राममारी के निकट क्षेत्र की गश्त लगा रहा था तो उनकी रामराज सिंह और उसके गिरोह की उपस्थिति के बारे में सूचना प्राप्त हुई। यह बताया गया कि वे कोई मनमनीय प्रपराध करने की योजना बना रहे हैं। श्री वर्मा ने समय नष्ट किए बिना तुरन्त कार्यवाही की और घटनास्थल पर लगभग सायं 8.00 बजे पहुँच गए और गिरोह की उपस्थिति के बारे में संतुष्ट होने के बाद उन्होंने दुर्घटना से गिरोह को घेर लिया और अपराधियों को आत्म समर्पण करने के लिए जलकारा। इसकी पूर्णतः अवहेलना करते हुए गिरोह ने पुलिस दल पर गोली चलाई। श्री मदन लाल वर्मा, उप निरीक्षक, के नेतृत्व में पुलिस दल ने आड़ या और जवाब में गोली चलाई। यद्यपि दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में कुछ पुलिस कर्मचारी बन्दूक की गोलियों से घायल हो गये तथापि श्री वर्मा ने साहस नहीं छोड़ा और गिरोह से संघर्ष करते रहे। सूचना प्राप्त होने पर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक, दल की एक छोटी टुकड़ी के साथ तुरन्त घटनास्थल पर गए। उन्होंने कुछ विश्वसनीय और साहसी ग्रामीणों की सहायता के लिए अपने साथ लिया। फौरन मारे दल को तीन दलों में बांट दिया गया और कार्यवाही दल का नेतृत्व स्वयं श्री सिंह ने संभाला। 13 अप्रैल, 1984, को प्रातः 2.30 बजे तक दोनों ओर से गोलीबारी होती रही। श्री राम नारायण शर्मा, सक्रिय अधिकारी की भी स्थिति से अवगत करा दिया गया और वे अतिरिक्त बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे और पुलिस दल का नेतृत्व संभाला और अपराधियों को गोली चलाना बन्द करने तथा आत्म-समर्पण करने के लिए जलकारा। अपराधियों पर इसका कोई प्रभाव नहीं हुआ। श्री वर्मा ने डाकुओं के मही ठिकाने का पता लगाया और गिरोह की ओर बढ़े। इस प्रयास में वे दाहिने हाथ में बन्दूक की गोली लगने से घायल हो गए। तेजी से रक्तस्राव होने के कारण श्री शर्मा को प्रस्पन्धन भेजा गया। श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, निरीक्षक, ने पुलिस दल का नेतृत्व संभाला और वे लगातार डाकुओं की ओर बढ़ते रहे। यद्यपि इस प्रयास में वे घायल हो गए तथापि वे आगे बढ़ते रहे और अपराधियों पर गोली चलाते रहे। अन्त में जब मुठभेड़ समाप्त हुई

तो पुलिस को पता लगा कि गिरोह का नेता रामराज सिंह और उनके विश्वासपात्र लेफ्टिनेंट नन्हा सिंह, बाबू राम तथा कालू उर्फ चाचू पुलिस की गोलीबारी के परिणामस्वरूप मारे गए। डाकुओं के कब्जे से दो एम० बी०बी० एल० बन्दूकें, एक डी०बी०बी० एल० कारखाने में निमित्त बन्दूक और काफी संख्या में चले तथा बगीच बले कारसुओं सहित सी० एम० पिस्तोल बरामद किए गए। किन्तु अंधेरे की आड़ में गिरोह के तीन सदस्य बच निकले।

इस मुठभेड़ में, श्री राम नारायण शर्मा, पुलिस अधीक्षक, श्री राजेन्द्र कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक, और श्री मदन लाल वर्मा, पुलिस उप निरीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पदक पुलिस पदक नियमवली 4 (1) के अर्हता के वीरता के लिए दिए जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अर्हता विशेष भत्ता भी दिनांक 12 अप्रैल, 1984 से दिया जाएगा।

सं० 102-प्रेज/85--राष्ट्रपति सिपुरा पुलिस के निम्नांकित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक सहर्ष प्रदान करते हैं :-

अधिकारियों का नाम तथा पद

श्री सुधांगसु तारान,  
पुलिस सहायक उप निरीक्षक,  
धाना ओम्पी,  
बल्लिणी सिपुरा जिला।

शेराओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया।

24 मई, 1983, को सूचना मिली कि कुछ विद्रोही घानलेख क्षेत्र के लोंगयोग वस्ती में एक घर में छिपे हुए हैं। श्री सुधांगसु तारान, पुलिस सहायक उप निरीक्षक, ओम्पी, को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के दो टुकड़ियों के साथ विद्रोहियों को पकड़ने के लिए तैनात किया गया। एक नागरिक की सहायता से विद्रोहियों के छिपने के स्थान का पता लगाया गया। श्री तारान ने, छिपने के स्थान पर आक्रमण करने वाले केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के दस्ते एक का नेतृत्व किया, जबकि दूसरा दस्ता छापामार दल की सहायता के लिए गोलीबारी करने की आड़ में एक एन० सी० ओ० के कमाण्ड में था। जैसे ही छापामार दस्ता छिपने के स्थान पर पहुँचा उस पर विद्रोहियों ने जबरदस्त गोलीबारी की। पुलिस दल ने गोली का जवाब गोली से दिया। श्री तारान और उनकी पार्टी विद्रोहियों और सहायता के लिए तैनात पुलिस दल के साथ मध्य हो रही भारी गोलीबारी के बीच रेंगते हुए तेजी के छिपने के स्थान की तरफ बढ़े और छिपने के स्थान के नजदीक पहुँचने के बाद विद्रोहियों पर गोली चलाई। नजदीक से और दूसरे पुलिस दस्ते द्वारा कुछ दूरी पर से लगातार गोलीबारी किए जाने से विद्रोही भयभीत हो गए। उन्होंने अपना मोर्चा छोड़कर पूर्व की तरफ भागना शुरू किया। इस समय, श्री तारान ने अपने कामियों को विद्रोहियों पर छपटने का आदेश दिया और उन्होंने स्वयं भी उनका पीछा किया। इस मुठभेड़ में पुलिस ने एक विद्रोही को गोली से मार डाला। तीन और विद्रोहियों को पकड़ लिया गया। जबकि अन्य भागने में सफल हो गए। पकड़े गए विद्रोहियों से एक एस एल आर, दो राईफलें, एक रिवाल्वर, एक हथगोला बड़ी मात्रा में गोला बारूक और अनेक अभिशंसि दस्तावेज बरामद किए।

श्री सुधांगसु तारान, पुलिस सहायक उप निरीक्षक, ने उत्कृष्ट वीरता साहस और उच्च कोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पदक पुलिस पदक नियमवली के नियम 4 (1) के अर्हता के वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अर्हता विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 24 मई, 1983 से दिया जाएगा।

सु० नीलकण्ठ,  
राष्ट्रपति का उप सचिव

## योजना आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1985

## संकल्प

सं० ई०-11015/5/85-हिन्दी—योजना आयोग के दिनांक 25 अगस्त 1984 के संकल्प संख्या ई०-11015/17/83-हिन्दी के क्रम में, भारत सरकार ने निम्नलिखित व्यक्तियों को योजना मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का सदस्य नामित करने का निर्णय किया है :—

लोक सभा से दो संसद सदस्य

1. श्री चन्द्र मोहन सिंह नेगी श्री बी० के० भायर और
2. श्री बलबीर सिंह श्री चन्द्रभान अथार पाटिल के स्थान पर

संसदीय राजभाषा समिति से दो संसद सदस्य

1. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव
2. श्रीमती केसर बाई क्षीरसागर

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति समिति के सभी सदस्यों, सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, प्रधान मंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के० सी० अग्रवाल, निदेशक (प्रशासन)

## वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

सं० 108/85—फा० सं० ए०-11013/91/84—प्रशा०—IV—राष्ट्रपति, श्री बी० एन० रंगवानी सदस्य (केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड और पदेन अपर सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) को सदस्य (बजट), केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड, जो कि तकनीकी अध्ययन ग्रुप के अंशकालिक सदस्य थे, के स्थान पर इस ग्रुप का (जो इस मंत्रालय के दिनांक 22 सितम्बर 1984 के संकल्प सं० ए-11013/91/84—प्रशा० IV—द्वारा गठित किया गया है) पूर्ण कालिक सदस्य नियुक्त करते हैं।

श्री० पी० गुल्ला, उप सचिव

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 सितम्बर 1985

## संकल्प

सं० ई० 11015/1/85-हिन्दी—सूचना और प्रसारण मंत्रालय के दिनांक 14 अगस्त 1984 के संकल्प संख्या ई० 11015/1/80-हिन्दी का अतिरिक्त करते हुए, भारत सरकार ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय लिया है।

2. इस समिति के निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

1. सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री —अध्यक्ष

संसद सदस्य

2. श्रीमती किशोरी मिन्हा (लोक सभा) —सदस्य
3. श्रीमती गीता मुखर्जी (लोक सभा) —सदस्य
4. श्री चतुरानन मिश्र (राज्य सभा) —सदस्य
5. श्री राम चन्द्र भारद्वाज (राज्य सभा) —सदस्य

संसदीय राजभाषा समिति के सदस्य

6. श्रीमती इन्दुबाला मुखाडिया, सदस्य, लोक सभा —सदस्य

7. श्री एन० तोंम्बी सिंह, सदस्य, लोक सभा —सदस्य

गैर-सरकारी सदस्य

8. श्री मंजूरुल अमीन, —सदस्य  
प्रोफेसर, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय, दिल्ली।

9. श्री प्रभात शास्त्री, प्रधान मंत्री, —सदस्य  
हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रभाग (इलाहाबाद)

10. श्रीमती शीला झुनझुनवाला, —सदस्य  
सम्पादिका, साप्ताहिक "हिन्दुस्तान",  
नई दिल्ली।

11. श्री गिरिजा कुमार माथुर, —सदस्य  
भूतपूर्व उपमहानिदेशक, दूरदर्शन,  
नई दिल्ली।

12. डा० एन० एम० दक्षिणामूर्ति, —सदस्य  
हिन्दी के रीडर, स्नातकोत्तर हिन्दी  
अध्ययन तथा अनुसंधान विभाग,  
मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर।

13. डा० रामदरश मिश्र, —सदस्य  
प्रो० हिन्द विभाग,  
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

14. श्रीमती मधु भंडारी, लेखिका, नई दिल्ली : —सदस्य
15. श्री अशिश सान्याल, कलकत्ता । —सदस्य
16. श्री सुरेश जेठालाल जोशी, बंदोदरा । —सदस्य
17. श्री राजेन्द्र माथुर, सम्पादक, "नवभारत टाइम्स", नई दिल्ली । —सदस्य
18. श्री कन्हैया लाल नन्दन, सम्पादक, "दिनमान" नई दिल्ली । —सदस्य
19. श्री कुंवर नारायण, लखनऊ । —सदस्य
20. श्री यू० सी० अग्रवाल, अध्यक्ष, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद्, नई दिल्ली । —सदस्य
21. श्री वाई० जी० शिन्दे, पुणे । —सदस्य
- सरकारी सदस्य
22. सचिव राजभाषा विभाग एवं भारत की हिन्दी सलाहकार —सदस्य
23. सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय —सदस्य
24. महानिदेशक, आकाशवाणी —सदस्य
25. महानिदेशक, दूरदर्शन —सदस्य
26. प्रधान सूचना अधिकारी, पत्र सूचना कार्यालय । —सदस्य
27. निदेशक, प्रकाशन विभाग —सदस्य
28. प्रबन्ध निदेशक, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम लि०, बम्बई —सदस्य
29. अध्यक्ष, वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग —सदस्य
30. संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग —सदस्य
31. मंत्रालय में हिन्दी कार्य से सम्बन्धित संयुक्त सचिव —सदस्य-सचिव

## 3. समिति का कार्य :

समिति का कार्य केन्द्रीय हिन्दी समिति और राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) द्वारा सरकारी कामकाज के लिए हिन्दी के प्रयोग के सम्बन्ध में निर्धारित नीतियों के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा इसके माध्यम एकाद्यों के कामकाज में हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग के बारे में सलाह देना होगा ।

## 4. कार्यकाल :

समिति के सदस्यों का कार्यकाल सामान्यतया समिति के गठन की तारीख से तीन वर्ष होगा बशर्ते कि :

- (क) जो संसद सदस्य समिति के सदस्य हैं, वे संसद सदस्य न रहने पर इस समिति के सदस्य नहीं रह सकेंगे ;
- (ख) समिति के पदेन सदस्य अपने पद पर कार्य करते रहने तक समिति के सदस्य रहेंगे ; और
- (ग) यदि किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने के कारण अथवा समिति की सदस्यता से त्यागपत्र दे देने के कारण स्थान रिक्त होता है तो उस स्थान पर नियुक्त सदस्य तीन वर्ष के कार्यकाल की शेष अवधि के लिए ही सदस्य होगा ।

## 5. सामान्य :

- (1) समिति अपने कार्य में सहायता के लिए आवश्यकता-नुसार अतिरिक्त सदस्यों को सहयोजित कर सकेगी और अपनी बैठकों में विशेषज्ञों को भी आमंत्रित कर सकेगी ।
- (2) समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा, किन्तु समिति अपनी बैठकों किसी अन्य स्थान पर भी कर सकेगी ।
- (3) समिति के गैर सरकारी सदस्यों को समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निश्चित दरों पर नियमानुसार यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता दिया जाएगा ।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री का कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व और लेखा महानियंत्रक को भेज दी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की सर्वसाधारण की जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

विजेंद्र सिंह जाफा, संयुक्त सचिव

## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 8, अगस्त 1985

## संकल्प

सं० एस० 24019/21/81 एम-I/इन्स्यू—II: काम्पेक्ट स्थायी त्रिपक्षीय समिति का पुनर्गठन करने वाले तारीख 10 जुलाई, 1984 के संकल्प में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है, अर्थात् :—

उक्त संकल्प में, पैरा 4 के पश्चात निम्नलिखित पैरा जोड़ दिया जाए, अर्थात् :—

- 45 समिति किसी भी समय और ऐसी अवधि के लिए, जो वह इसे उचित समझे, इनमें किसी व्यक्ति या व्यक्तियों को सहयोजित कर सकती है और यदि वह इसे आवश्यक या समोचीन समझती है, इसकी बैठक में भाग लेने के लिए किसी भी व्यक्ति को आमंत्रित कर सकती है और जब ऐसा व्यक्ति किसी बैठक में भाग लेता है, तो उसे उस बैठक में वोट देने का हक नहीं होगा।

आर० डी० मिश्रा, अवर सचिव

## हस्तान और खान मंत्रालय

## नियमावली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अक्टूबर 1985

सं० ए-12025/2/85-एम०-2—निम्नलिखित रिक्त पदों को भरने के लिए 1986 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा की नियमावली सिवाई मंत्रालय की सहमति से सर्व-साधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित की जाती है :—

1. उम्मीदवार उपर्युक्त पदवर्गों में से किसी एक या दोनों मंत्रालय के पद।

(1) भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) ग्रुप क और

(2) सहायक भू-विज्ञानी ग्रुप ख

वर्ग-II (केन्द्रीय भू-जल बोर्ड, सिवाई मंत्रालय के पद) (i) कनिष्ठ जल भ-विज्ञानी ग्रुप "क" (ii) सहायक जल भ-विज्ञानी ग्रुप ख

1. उम्मीदवार उपर्युक्त पदवर्गों में से किसी एक या दोनों के लिए प्रतियोगिता हो सकता है। उसे अपने आवेदन-पत्र में उन पदों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए जिनके लिए वह वरीयता क्रम में विचार किए जाने का इच्छुक है।

जिस पर वर्ग/वर्गों के लिए उम्मीदवार परीक्षा में बैठ रहे हों उनके सम्बन्ध में उम्मीदवार द्वारा निविष्ट वरीयताओं के परिवर्तन सम्बन्धी किसी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि इस प्रकार के परिवर्तन से सम्बन्ध अनुरोध रोजगार समाचार में लिखित परीक्षा के परिणाम के प्रकाशन की तारीख के 30 दिन के अन्दर या उससे पहले संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं जाएं।

2. उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां शुरू में प्रस्थायी रूप में की जाएंगी। जैसे ही स्थायी रिक्तियां होंगी उम्मीदवार अपनी बारी में स्थायी रूप से नियुक्त कर दिये जाएंगे।

3. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किए गए नोटिस में निविष्ट की जाएगी। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवारों के लिए रिक्तियों के आरक्षण सरकार द्वारा निर्धारित रूप में किए जाएंगे।

4. आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट 1 में निर्धारित रीति से आयोजित की जाएगी।

परीक्षा कब और कहाँ होगी, यह आयोग द्वारा निश्चित किया जाएगा।

5. कोई उम्मीदवार या तो :—

(क) भारत का नागरिक हो, या

(ख) नेपाल की प्रजा हो, या

(ग) भूटान की प्रजा हो, या

(घ) भारत में स्थायी निवास के द्वावे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हुआ तिब्बती शरणार्थी हो, या

(ङ) भारत में स्थायी निवास के द्वावे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कोनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य संजानिया (भूतपूर्व टंगानिका और अंजीबार) के पूर्वी अफ्रीकी देशों या जाम्बिया, मलावी जेरे, इथियोपिया और कियतनाम से प्रजनन कर आया हुआ मूलतः भारतीय व्यक्ति हो।

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त वर्ग (ख), (ग), (घ) और (ङ) के सम्बन्ध उम्मीदवार को सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

जिस उम्मीदवार के मामले में पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, उसे परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है; किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव केवल तभी दिया जा सकता है जब भारत सरकार द्वारा उसे आवश्यक पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया हो।

6. (क) इस परीक्षा के उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी 1986 को 21 वर्ष हो चुकी हो किन्तु 30 वर्ष पूरी न हुई हो अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1956 से पहले और 1 जनवरी, 1965 के बाद न हुआ हो।

(ख) यदि निम्नलिखित वर्गों के सरकारी कर्मचारी नीचे के कालम I में उल्लिखित किसी विभाग में नियोजित हैं और यदि वे कालम-II में उल्लिखित समरूपी पद (पदों) हेतु आवेदन करते हैं उनके मामले में ऊपरी आयु सीमा में अधिकतम 7 वर्ष की कूट दी जाएगी :—

कालम I	कालम II
भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण	भूविज्ञानी (कनिष्ठ), ग्रुप 'क' सहायक भूविज्ञानी, ग्रुप 'ख'
केन्द्रीय भू-जल बोर्ड	कनिष्ठ जल-भूविज्ञानी ग्रुप 'क' सहायक जल-भूविज्ञानी ग्रुप 'ख'

(ग) निम्नलिखित स्थितियों में ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु सीमानें और छूट भी जाएगी :—

- (1) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक;
- (2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का है और भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है तथा 1 जनवरी, 1964 से 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रत्यावर्तित होकर भारत आ गया था, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- (4) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका करार के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ हो या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित हुआ या होकर आया या आने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (6) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से प्रजनन किया हो या जॉर्जिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (7) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का है और भारत मूल का वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टंगानिका तथा जंजीबार) से प्रजनन कर आया है या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया से भारत मूल का प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तो अधिक से अधिक 8 वर्ष;
- (8) यदि उम्मीदवार बर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (9) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति का हो तो बर्मा से 1 जून, 1963 को या उसके बाद वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर आया भारत मूलक व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (10) बांग्ला देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मित हुए रक्षा सेवा के कामियों के मामले में अधिक से अधिक 3 वर्ष;
- (11) बांग्ला देश के साथ संघर्ष में या अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा इसके परिणामस्वरूप निर्मित हुए रक्षा सेवा के अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के कामियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष;
- (12) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) है और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राज-दूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र है और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष;
- (13) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और वियतनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा भी उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राज-दूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक आठ वर्ष तक;
- (14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1986 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हटाई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1986 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक;
- (15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1986 को कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हटाई शारीरिक अपंगता या अक्षमता के कारण कार्यमुक्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 1986 से छः महीनों के अन्दर पूरा होना है) तथा जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन जातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक दस वर्ष तक;
- (16) यदि कोई उम्मीदवार तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापीत व्यक्ति है और भारत में 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर आया है तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक;
- (17) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का है और तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रजनन कर आया है तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

ऊपर की गई व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

ध्यान में :—

- (1) जिस उम्मीदवार को नियम 8(ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो और उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से त्याग-पत्र दे देता है या विभाग/कार्यालय द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं। किन्तु आवेदन-पत्र के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छूटनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।



(2) जो उम्मीदवार अपने विभाग को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद किसी अन्य विभाग/कार्यालय का स्थानांतरित हो जाता है वह उस पद (पदों) हेतु विभागीय आयु सम्बन्धी रियायत लेकर प्रतियोगिता में सम्मिलित होने का पात्र रहेगा जिसका पात्र वह स्थानांतरण न होने पर रहता, बशर्ते कि उसका आवेदन-पत्र विद्यमान अनुशंसा सहित उसके मूल विभाग द्वारा अंग्रेजित कर दिया गया हो।

#### 7. उम्मीदवार के पास :-

- (क) भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल के अधिनियम द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मान्य घोषित किसी अन्य शिक्षा संस्थान से भू-विज्ञान या प्रयुक्त भू-विज्ञान या समुद्र भू-विज्ञान में "मास्टर" डिग्री, या
- (ख) भारतीय खान विद्यालय बनबाव से प्रयुक्त-भू-विज्ञान में एंसी-शिप्टशिप का डिप्लोमा,
- (ग) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय में खनिज अन्वेषण में मास्टर डिग्री (केवल भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीन के लिए), या
- (घ) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय में जल-भू-विज्ञान में मास्टर डिग्री (केवल केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के पदों हेतु)।

टिप्पणी 1 :—यदि उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी आवेदन कर सकता है। ऐसे उम्मीदवारों को, यदि वे अन्यथा पात्र होंगे तो परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अन्तिम मानी जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में 31 अगस्त, 1986 तक प्रस्तुत नहीं करते तो वह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी 2 :—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी शैक्षिक दृष्टि से योग्य मान सकता है जिसके पास इस नियम में विहित अर्हताओं में से कोई अर्हता न हो, बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसके स्तर आयोग के मतानुसार ऐसी हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार का परीक्षा में प्रवेश उचित ठहर सके।

टिप्पणी 3 :—जिस उम्मीदवार ने अन्यथा अर्हता प्राप्त कर ली है किन्तु उसके पास विदेशी विश्वविद्यालय की डिग्री है, तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और उसे आयोग की विवक्षा पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

8. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित शुल्क का भुगतान अवश्य करना चाहिए।

9. जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या वैयक्तिक वर कर्मचारी से हटकर स्थायी या अस्थायी हैमियत से या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या जो सार्वजनिक उद्यमों में कार्यरत हैं उन्हें यह परिचयन (अण्डर टैकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के प्रधान को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोजता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बन्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन-पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

10. उक्त परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को यात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

11. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

#### 12. जिस उम्मीदवार ने :-

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- (4) जाभी प्रलेख या ऐसे प्रलेख प्रस्तुत किये हैं जिनमें तथ्यों में फेरबदल किया गया हो, अथवा
- (5) गलत या झूठे वक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, अथवा
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अप्रामाण्य भाषा की हों, अथवा
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो, अथवा
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो, अथवा
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो

(12) पूर्वोक्त कारणों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने की प्रेरणा दी हो, जैसी भी स्थिति हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और इसके साथ ही उसे :-

- (क) आयोग उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे स्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन से,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरी से धारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अन्तर्गत पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है। किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक

(1) उम्मीदवार इस सम्बन्ध में जो लिखित अभ्यावेदन देता चाहे उसे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में यदि कोई अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया हो तो उस पर विचार न कर लिया गया हो।

13. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में अयोग्य द्वारा अपनी विवक्षा पर निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त कर लेते हैं उन्हें व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जायेगा।

परन्तु यदि आयोग के मतानुसार सामान्य स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों के भरने के लिए इन जातियों के उम्मीदवार पर्याप्त संख्या में व्यक्तिगत परीक्षा के लिए साक्षात्कार हेतु नहीं बुलाये जा सकते हैं तो आयोग उनको स्तर में छूट देकर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुला सकता है।

14. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिये गये कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके नामों की सूची बनायेगा और इस परीक्षा का परिणाम निकलने पर जितनी अनारक्षित खाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुशंसा की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य पाये गये हों।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में कमी पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो, नियुक्ति के लिए अनुशंसित किये जा सकेंगे, बशर्ते कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाये इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षा फल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

16. परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा अवेदन-पत्र में विभिन्न पदों के लिए बनाये गये वरीयता क्रम पर आयोग द्वारा उचित ध्यान दिया जायेगा।

17. परीक्षा में पास हो जाने मात्र से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता है इसके लिये आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से सन्तुष्ट हो जाये कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि लिखित डाक्टरी परीक्षा के बाद यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की जाये, किसी उम्मीदवार के बारे में यह बात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी। जिन उम्मीदवारों के नियुक्त किए जाने की सम्भावना है केवल उन्हीं की डाक्टरी परीक्षा की जायेगी। डाक्टरी परीक्षा के समय उम्मीदवार शुल्क के रूप में रु० 16.00 का भुगतान मेडिकल बोर्ड को करेंगे।

नोट :—निराशा से बचने के लिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी डाक्टरी जांच करा लें। उम्मीदवारों को नियुक्ति से पहले जिन डाक्टरी परीक्षाओं से गुजरना होगा उनके स्वरूप के विवरण और मानक परिशिष्ट 2 में दिए गए हैं। चिकित्सा हुए भूतपूर्व सैनिकों को यह विशेष की अपेक्षाओं के अनुसार स्तर में छूट दी जायेगी।

19. जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबंध किया है, तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जायेगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के लिए अभ्य कारण भी हैं तो किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दी जा सकती है।

20. इस परीक्षा के माध्यम से जिन पदों के सम्बन्ध में भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट 3 में दिया गया है।

जे० बी० सुधीराजुषु  
अवर सचिव

#### परिशिष्ट 1

1. परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जायेगी :—

भाग 1—नीचे पैरा 2 में दिए गए विषयों में लिखित परीक्षा।

भाग 2—आयोग द्वारा साक्षात्कार हेतु बुलाये जाने वाले उम्मीदवारों का व्यक्तिगत परीक्षण जो अधिकतम 200 अंकों (देखिए नीचे पैरा 7) का है।

2. लिखित परीक्षा निम्न विषयों में ली जाएगी :—

विषय	कोड नं०	समय	पूर्णांक
1	2	3	4
(1) सामान्य अंग्रेजी	01	1½ घंटा	100
(2) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र I, जिसमें सामान्य भू-विज्ञान, भू-भूतल विज्ञान, संवत्सरिक भू-विज्ञान, स्तरक्रम विज्ञान और जीवाश्म विज्ञान होंगे	02	3 घंटे	200
(3) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र II, जिसमें क्रिस्टल विज्ञान, खनिज विज्ञान, शैल, विज्ञान और भू-रसायन विज्ञान होंगे	03	3 घंटे	200
(4) भू-विज्ञान, प्रश्न-पत्र III, जिसमें भारतीय खनिज निक्षेप, खनिज अन्वेषण खनिज प्रयोज्यता और प्राथमिक भू-विज्ञान होंगे	04	2 घंटे	150
(5) जल भू-विज्ञान	05	2 घंटे	150

नोट—वर्ग 1 और वर्ग 2 के अन्तर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त सभी विषय लेने होंगे। केवल वर्ग 1 के अन्तर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को उपर्युक्त (1) से (4) तक के विषय लेने होंगे और केवल वर्ग 2 के अन्तर्गत पदों के लिए प्रतियोगी उम्मीदवारों को (1) से (3) तथा (5) तक विषय लेने होंगे।

3. सभी विषयों की परीक्षा पूर्णतः 'बस्तु परक' (बहु विकल्प उत्तर) प्रकार की होगी। नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए कृपया आयोग के नोटिस के अनुबन्ध 2 पर "उम्मीदवारों को सूचनाएं" विवरणिका देखिए।

प्रश्न पत्र (परीक्षण पुस्तिकायें) केवल अंग्रेजी में होंगी।

4. परीक्षा का स्तर और पाठ्यचर्या संलग्न अनुसूची के अनुसार होंगे।

5. उम्मीदवारों को उत्तर देने की हद्द से लिखने चाहिए। उन्हें उत्तर लिखने के लिए किसी लिखने वाले की सहायता की अनुमति नहीं दी जायेगी।

6. आयोग परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के लिए अर्हक अंक निश्चित कर सकता है।

7. उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न पत्रों (परीक्षण पुस्तिकाओं) का उत्तर देने के लिए केलकुलेटर्स का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लायें।

8. व्यक्तिगत परीक्षण करते समय उम्मीदवार की नेतृत्व क्षमता, पहल तथा सेवाशक्ति, व्यवहार कुशलता तथा अन्य सामाजिक गुण, मानसिक तथा शारीरिक ऊर्जस्वता, प्रायोगिक अनुप्रयोग की शक्ति और शारीरिक निष्ठा के निर्धारण पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

#### अनुसूची

स्तर और पाठ्यचर्या

अंग्रेजी के प्रश्न पत्र का स्तर ऐसा होगा जिसकी अपेक्षा विज्ञान के स्नातक से की जा जाती है। भूवैज्ञानिक विषय भारतीय विश्वविद्यालय की एम० एसी० डिग्री-स्तर के होंगे और सामान्यतः प्रत्येक विषय में ऐसे प्रश्न रखे जायेंगे जिनसे उम्मीदवारों की विषय की समझ का पता लग सके।

किसी भी विषय की प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

(1) सामान्य अंग्रेजी (कोड 01)

अंग्रेजी भाषा की समझ और अभिव्यक्ति करने की शक्ति की जांच करने के प्रश्न दिए जायेंगे।

(2) भूविज्ञान प्रश्न पत्र 1 (कोड 02)

क—सामान्य भू-उद्गम

महाद्वीप और महासागर—उनका विभाजन, विकास और उद्गम। महाद्वीपीय विस्थापन, महासागर विस्तारण और प्लेट विवर्तनिकी की संकल्पना पुराजलवायु और उनकी विशेषता। समस्थिति पुराचुम्बकत्व। विषट्नामिकता और उसका भू-विज्ञान में अनुप्रयोग। भूकालात्मक क्रम और भू-काल। भूकम्प-विज्ञान और भूगर्भ। भू-अभिनति। ज्वालामुखीयता। द्वीप चार्व गम्भीर, सागर, खाईयाँ और मध्य महासागरीय कटक। कोरल रीढ़। पर्वत और महादेश रचना। पर्वतनी चक्र।

ख—भू-आकृति विज्ञान—भू-आकृतिक प्रक्रम; लक्षण और उनके प्राप्ति। भू-आकृतिक चक्र और उनका अर्थ निर्धारण। स्थलाकृति और संरचनाओं से इसका सम्बन्ध। मृदा।

ग—संरचनात्मक भू-विज्ञान—चट्टानों के भौतिक गुण। विरूपण-प्रक्रिया और बलन—उनकी यांत्रिकी प्राथमिक संरचना। संरक्षण, शल्कन और जोड़। वितल अन्तर्घर्ष और लक्षण गुम्बद। संस्तरों के शीर्ष तथा तल की पहचान। विषय विन्यास पटल विरूपण। शैल सविन्यासी विश्लेषण।

घ—स्तरिकी—स्तरिकी के सिद्धान्त तथा नामपद्धति। विश्व स्तरिकी तथा पुराभूगोल की रूपरेखाएँ। भूविज्ञान की विभिन्न प्रणालियों के प्रारूप अनुमान। गोंडवाना प्रणाली तथा गोंडवाना महाखण्ड।

भारतीय उपमहाद्वीप (भारत, पाकिस्तान तथा बंगला देश) की स्तरिकी तथा पुराभूगोल प्रमुख भारतीय शैल समूह में संबंध। भारतीय स्तरिकी में काल विषयक समस्याएँ।

ङ—पुराभूगोल (क) जीवाश्म, उनके प्रकार, संरक्षण, पद्धति तथा प्रयोग। प्रकशकियों का आकृति-विज्ञान, वर्गीकरण तथा भूविज्ञान सम्बन्धी इतिहास, प्रवाल; भजपात्र, पटल कलम, एमीनाइटोस जेठरपाद, डाइनोसॉरिज, ग्लूब बर्मी, प्रोटोनाइट्स और फॉसिलीफेस।

(ख) गोंडवाना तथा शिवालिक प्राणिजात पर बल देते हुए कशकियों के प्रमुख समूह। मानक, हाथी तथा घोड़ा का विकास क्रम।

(ग) गोंडवाना वनस्पति पर बल सहित जीवाश्म वनस्पति तथा इसका महत्व और वितरण।

(घ) सूक्ष्मपुराभूगोल : फोरमिनीफेराइड्स के विशेष संबंध में इसका महत्व, उनकी परिस्थिति विज्ञान तथा पुरास्थिति विज्ञान।

(3) भूविज्ञान प्रश्न पत्र 2 (कोड 03)

क—क्रिस्टल विज्ञान

क्रिस्टलों के सममिति तत्त्व तथा वर्गीकरण। प्रक्षेप—गोलीय तथा द्विचित्र, 32 क्लास (बिन्दु समूह)। यमलम तथा क्रिस्टल अपूर्णता।

ख—वर्णनात्मक खनिज विज्ञान

खनिजों के भौतिक, रसायनिक, वैद्युत, चुम्बकीय तथा तापीय गुण धर्म। सिलिकेटों की संरचना तथा वर्गीकरण।

आलिबीन ग्रुप, गार्नेट ग्रुप, एम्फिबोट ग्रुप और मसिलाइट ग्रुप। जरकान, स्फीन, सिलिमनाइट, एम्बालसाइट, कायनाइट, पुखराज, स्टारोसाइट, वैरिल, काश्पिराइट, बूर मैलीन। पाइराक्सीन ग्रुप और एम्फिबोल ग्रुप। मोलेस्टोनाइट और रोडोलाइट ग्रुप तथा स्कैपो लाइट ग्रुप। आक्साइड्स हाइड्रोक्लाइट्स फेल्डस्पार ग्रुप, सिलिका मिनेटल्स फेल्सपैथाइट्स ग्रुप। जियो लाइट ग्रुप तथा स्कैपो लाइट ग्रुप। आक्साइड्स, हाइड्रोक्लाइट्स कार्बोनेट्स फास्फेट, हैलाइट्स, सल्फाइट्स तथा सल्फेट्स।

ग—प्रकाशित खनिज विज्ञान

प्रकाशिकी के सामान्य सिद्धान्त। प्रकाशिक उप साधन। अपवर्तन, द्विअपवर्तन, धिलोप कोण, बहुवर्णता। प्रकाशिक दीर्घवर्तन, प्रकाशित प्रकीर्णन। प्रकाशन अभिविन्यास परिक्षेपण। प्रकीर्णन। प्रकाशित विसंगतियाँ।

घ—शैल विज्ञान

(1) आग्नेय : स्वरूप संरचना, गठन और वर्गीकरण ग्रेनाइट-ग्रेनाइटोयोरॉइट। साइनाइट—नेफेलाइन साइनाइट ग्रेनाइटोयोरॉइट—इलाइट डारलाइट, लैम्प्रोफायर, पैग्माटाइट एप्लाइड, आईजोलाइट तथा कार्बोनाटाइट। रियोलाइट, ट्रैकाइट, डकाइटों एग्ग्रेजाइट तथा बेसाइट।

सिलिकेट सिस्टम में प्रावस्था निगम तथा साम्यता। द्विघटक तथा त्रिघटक तन्त्र। क्रिस्टलीकरण क्रम। अभिक्रिया सिद्धांत / क्रिस्टलीकरण—अनेकता। विभिन्नता। विभिन्नता भारंख। ग्रेनाइटोयोरॉइट मोनोनिनरलिक तथा क्षारीय शैल, कार्बोनाटाइट्स, पैग्माटाइट्स तथा लैम्प्रोफायरों का उद्गम।

(2) अवसादी : वर्गीकरण तथा बनावट। अवसादों का मूल। गठन और संरचना। अवसादी शैलों के प्रमुख समूहों का अध्ययन। अवसादों का यांत्रिक विश्लेषण। निक्षेपण की पद्धतियाँ। पुराधारार्य तथा श्रेणी विश्लेषण। अवसादों का उद्गम क्षेत्र निक्षेपणीय पर्यावरण भारी खनिज तथा उनका महत्व। शिली भवन तथा प्रसंघनन।

(3) कायान्तरित शैल : कायान्तरण के कारण, प्रारूप नियंत्रण, संरचना, ध्वंगी तथा संरक्षण। कायान्तरी विभेदन। तत्वांतरण तथा ग्रेनाइटोयोरॉइट भवन। अभिसंरचना, कणिकाग्र, आनोकाइट, बोलाइट्स, रिस्ट, नाइसिजेज और हार्नेम्फिस्फोल्स। मेइसा और ओरोजनी के संबंध में कायान्तरण।

ङ—भू-रसायन विज्ञान

अवयवों का अन्तरिक्षी बाहुल्य, पृथ्वी का प्रारम्भिक भू-रसायनिक विभवन, अवयवों का भू-रसायनिक वर्गीकरण अनुरोध अवयव। जल का भू-रसायन विज्ञान। अवयवों का भू-रसायन विज्ञान, भू-रसायनिक चक्र तथा भू-रसायनिक पूर्वोक्त के सिद्धान्त।

(4) भू-विज्ञान प्रश्न-पत्र 3 (कोड 04)

## क—भारतीय खनिज निक्षेप

निम्नलिखित धातु तथा अधातु भयस्कों और खनिजों का भारतीय निक्षेप, जो उनके वितरण, उपस्थिति तथा उद्गम प्रणाली के सन्दर्भ में हो :—

- (क) तांबा, सीसा, जस्त, एल्यूमिनियम, मैग्नेशियम, लोहा, मैंगनीज, कोबाल्ट, सोना, चांदी, टंगस्टन तथा मोलिब्डेनम ।
- (ख) ग्रेफाइट, बासक्यलाइट, एस्बेस्टस, बेरीटिस, ग्रेफाइट, जिप्सम, गरिक, मूल्यवान तथा अल्पमूल्य खनिज, उच्चतापसह खनिज, प्रपक्षी तथा मत्स्य शिल्प हेतु खनिज, कांच, उर्वरक, सीमेंट प्रलेख तथा वर्णन उद्योग निर्माण पत्थर ।

(ग) कोयला, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस तथा परमाणु ऊर्जा खनिज

ख—खनिज अन्वेषण

पृष्ठीय तथा अपृष्ठीय अन्वेषण की पद्धतियां भेलगत उपस्कर तथा अन्वेषण हेतु क्षेत्रगत परीक्षण, अधस्कर निक्षेप, का पता देने वाले निदेश, अयस्क निक्षेपों का प्रतिचयन, ग्रामान और मूल्यवान । खनिज अन्वेषण में भू-भौतिक, भू-रासायनिक तथा भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षणों का अनु-प्रयोग ।

ग—खनिज अर्थशास्त्र

राष्ट्रीय अर्थ-व्यवस्था में खनिजों का महत्व । विनिर्माण उद्योगों में विभिन्न खनिजों का प्रयोग । मांग, आपूर्ति और प्रतिस्थापन भारत के प्रमुख खनिजों का उत्पादन तथा मूल्य । खनिज उद्योगों के अन्तर्राष्ट्रीय पहल । सामरिक, कालिक और अर्थव्यवस्था खनिज । संरक्षण तथा राष्ट्रीय खनिज नीति । खनिज उत्पादन में भारत की स्थिति ।

घ—आर्थिक भूविज्ञान

खनिज निक्षेप—रूपण प्रक्रिया, स्थानिकीकरण का नियंत्रण तथा वर्गीकरण । आवश्यक आर्थिक तथा आर्थिक खनिजों का अध्ययन, जो उनकी खनिजोद्यता, उपस्थिति तथा वितरण के सन्दर्भ में किया गया हो ।

(5) जल-भूविज्ञान (कोड 05)

जल-भूविज्ञान चक्र । भूपर्यटी में जल वितरण । जलीय चक्र में भू-जल आकाशी, मैग्ज और मैग्नीय जल और ओलों का उद्भव । जलधारी सक्षमों की दृष्टि से शैलों का वर्गीकरण, जल स्तरिकी एकक । भूजल की उपस्थिति के अनुकूल भू-वैज्ञानिक संरचना, भू-जल क्षेत्र । भू-जल भंडार—जल भर, मितजलभूत, अक्षीयताई । जलधारी का वर्गीकरण ।

क्षेत्रों के जलवैज्ञानिक गुणधर्म (भू-जल भंडार)—संरक्षता रिक्ति अनुपात, चुम्बकशीलता, पारगम्यता, स्टोरेटिविटी, आपेक्षिक पराभव, आपेक्षिक धारिता, वितरणशीलता । भू-जल भंडार के गुणधर्मों की पहचान की पद्धतियां—कूप पद्धतियां तथा प्रयोगशाला प्रविधियों के विसर्जन द्वारा चुम्बकशीलता और आपेक्षिक पराभव । स्टोरेटिविटी की पहचान । भू-जल की गति प्रवाह करने वाले बल । भू-जल गति के नियम-डार्सी नियम के भू-जल का पुनर्भरण—ऊर्ध्व तथा आधुनिक, पुनर्भरण के नियंत्रक कारक, भू-जल के युति और क्षयी प्रयोग ।

भू-जल अन्वेषण की पृष्ठीय तथा अपृष्ठीय प्रविधियां—भू-वैज्ञानिक तथा भू-भौतिक—जल संतुलन । भू-जल निष्कर्षण की प्रविधियां (कूप-प्रकार सर्वाधिक उपज हेतु विभिन्न प्रकार के शैल—क्षेत्रों में कूप-निर्माण की पद्धतियां) । विभिन्न प्रकार के प्रयोगों—धर, उद्योग तथा सिंचाई संबंधी के सन्दर्भ में भू-जल के रासायनिक लक्षण, जल प्रदूषण ।

## परिशिष्ट-II

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिए प्रकाशित किए जाते हैं, ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं । ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिए भी हैं तथा जो उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करना तो उसे स्वास्थ्य परीक्षण द्वारा स्वस्थ घोषित

नहीं किया जा सकता । किन्तु किसी उम्मीदवार को इन विनियमों में निर्धारण मानक के अनुसार स्वस्थ न मानते हुए भी स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड को इस बात की अनुमति होगी कि वह लिखित रूप से स्पष्ट कारण देते हुए भारत सरकार को यह अनुमति कर सके कि उक्त उम्मीदवार को सेवा में लिया जा सकता है और इससे सरकार को कोई हानि नहीं होगी ।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि भारत सरकार को चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा । रक्षा सेवाओं का भूतपूर्व विकलांग कर्मचारियों के मामले में पदों की अपेक्षाओं को देखते हुए, स्तर में छूट दी जाएगी ।

1. नियुक्ति के लिए स्वस्थ ठहराए जाने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की सम्भावना हो ।

2. भारतीय (एंग्लोइण्डियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कब और छाती के घेरे के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सब से अधिक उपयुक्त समझे व्यवहार में लायें । यदि वजन कद और छाती के घेरे में विषमता हो तो जांच के लिए उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और उसकी छाती का एक्स-रे लेना चाहिए । ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा ।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जाएगा :

वह अपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टेण्डर्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाय एडियों के पांवों के धंगूठे या किसी और हिस्से पर न पड़े । वह बिना अंकड़े सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियां, पिडलियां, नितम्ब और कन्ठे मापदंड के साथ लगे होंगे । उसकी टोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटेस आफ हेड सेबल) हारिजेंटल बार (भाड़ी छड़) के नीचे जाए । कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों के भागों में मापा जाएगा ।

4. उम्मीदवार की छाती मापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भांति खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उनकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों । फीते को छाती के गिर्ब इस तरह लगाया जाएगा कि इसका ऊपरी किनारा असफल (मोल्टर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फ्रीयर एंगल) के पोछे लगा रहे और वह फीते को छाती के गिर्ब ले जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेंटल/प्लेन) में रहे । फिर भुजाओं नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ सटका रहने दिया जाएगा । किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर बन किए जायें ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाए । तब उम्मीदवार को कई बार गहरी मांस लेने के लिए कहा जाएगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जाएगा । और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84-89, 86.93.5 आदि । माप रिकार्ड करते समय आधी सेंटीमीटर से कम भिन्न (फ्रेक्शन) को नहीं करता चाहिए ।

विशेष ध्यान :—अन्तिम निर्णय करने से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती वा बार माप जाने चाहिए ।

5. उम्मीदवार का वजन किया जाएगा और यह किलोग्राम में होगा । आधी किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं नहीं करना चाहिए ।

6. उम्मीदवार को नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी । प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा ।

(1) सामान्य (जनरल) : किसी रोग या असामान्यता (एबनॉर्मैलिटी) का पता लगाने के लिए उम्मीदवार को आंखों की सामान्य परीक्षा की जाएगी । यदि उम्मीदवार की आंखें, अथवा साथ लयी संरचनाओं (कान्टिगुअस स्ट्रक्चर) का कोई ऐसा रोग हो जो उसे अब या भविष्य की समय सेवा के लिए अयोग्य बना सकता है तो उसको अस्वीकृत कर दिया जाएगा ।

(2) दृष्टि तीक्ष्णता (विजयल एक्वडटी) :- दृष्टि तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिए दो तरह की जांच की जाएगी। एक दूर की नजर के लिए और दूसरी नजदीक की नजर के लिए प्रत्येक आंख को अलग-अलग परीक्षा ली जाएगी।

जबमें की बिना आंख की नजर (नेकड आई विजन) की कोई स्थूलतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक मामले में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा। क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल-सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

जबमें के साथ और जबमें के बिना दृष्टि तीक्ष्णता का मानक निम्नलिखित होगा :

	दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
	अच्छी आंख	खराब आंख	अच्छी आंख	खराब आंख
35 वर्ष से कम आयु वाले उम्मीदवारों के लिए	6/9	6/9	0.6	0.8
	अथवा	अथवा		
	6/6	6/12		

टिप्पणी : (1) मायोपिया का कुल परिणाम (सिलेंडर सहित) 4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिए। हाइपर मेट्रोपिया का कुल परिणाम (सिलेंडर सहित) + 4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिए।

टिप्पणी : (2) फंडस परीक्षा : जहां तक सम्भव होगा चिकित्सा बोर्ड की विविधा पर फंडस परीक्षा की जाएगी और परिणाम रिकार्ड किया जाएगा।

टिप्पणी : (3) कलर विजन :

- (1) कलर विजन की जांच जरूरी होगी।
- (2) नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और (निम्नतर) नोंधर ग्रेडों में होना चाहिए। ला लैटर्न में एपचर के आकार पर निर्भर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	4.9 मीटर	4. मीटर
2. डारक (एपचर) का आकार	1.3 मि० मीटर	1.3 मि० मीटर
3. उद्भासन काल	5 सेकेंड	5 सेकेंड

भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के सम्बद्ध भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) तथा सहायक भू-विज्ञानी तथा केन्द्रीय भोम-जल बोर्ड से सम्बद्ध कनिष्ठ जल-भू-विज्ञानी तथा सहायक जल-भू-विज्ञानी के पदों के लिए रंग प्रत्यक्ष ज्ञान तथा आंखों से सम्बन्धित सभी चिकित्सा मानकों का स्तर ऊंचा होगा।

#### 7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर)

(III) लाल संकेत, हरे संकेत, और रंग को आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर विजन है। इतिहास के प्लेटों के इस्तेमाल को जिन्हें एडिज ग्रीन की लैटर्न जैसी उपयुक्त लैटर्न और उसकी रोशनी में दिखाया जाता है कलर विजन की जांच करने के लिए बिल्कुल विश्वसनीय समझा जाएगा। वैसे तो दोनों आंखों में से किसी भी एक जांच को साधारण तथा पर्याप्त समझा जा सकता है। लेकिन, सड़क, रेल और हवाई यातायात से संबंधित सेवाओं के लिए लैटर्न से जांच करना लाजमी है। शक वाले मामले में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अयोग्य पाया जाए तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिए।

टिप्पणी : (4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन) : सम्मुख विधि (कन्फेन्शन मथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी

जांच का नतीजा असंतोषजनक या संदिग्ध हो तब क्षेत्र को परमापी (पैरामीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

टिप्पणी : (5) रतींधी (नाइट ब्लाइन्डनेस) : केवल विशेष मामलों को छोड़कर रतींधी की जांच नेमी रूप से जरूरी नहीं है। रतींधी में दिखाई न देने की जांच करने के लिए कोई स्पेसियल टेस्ट निर्धारित नहीं है। मेडिकल बोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिए जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अंधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विविध चीजों की पहचान करवा कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विश्वास नहीं करना चाहिए किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिए।

टिप्पणी : (6) दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की विशाल (आयुस्तर कन्डीशन) :

(क) आंख की अंग सम्बन्धी बीमारी को या बड़प्पी हुई अपवर्तन कुटि (रिफ्रैक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता से कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ख) रोहे (ट्रकोमा) : रोहे जब तक भयानक न हों साधारणतः अयोग्यता का कारण नहीं समझना चाहिए।

(ग) भैगापन : जहां दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है भैगापन अयोग्यता माना जाएगा, चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो।

(घ) एक आंख वाला व्यक्ति : एक आंख वाले व्यक्ति की नियुक्ति जेहेदु अनुशंसा नहीं की जाएगी।

#### 7. रक्त दाब (ब्लड प्रेशर) :

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल मेक्सिमम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन का काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है :-

(1) 15 से 25 वर्ष के युवा व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100 आयु होता है।

(2) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन में 110+ आधी आयु का सामान्य नियम बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

विशेष ध्यान : सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर सिस्टोलिक प्रेशर और 90 एम० एम० के ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संविन्धता मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अयोग्य या योग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए की उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह भी पता लगाना चाहिए कि घबराहट (एक्साइटेड) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कार्पिक (आर्गेनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में हृदय का एक्सरे और इलेक्ट्रो-कार्डियोग्राफी जांच रक्त यूरिया निकाय (क्लियरेंस) की जांच भी नमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका :

नियमित : पारा वाले दाबमापों (मर्करी मानोमीटर) किस्म का उपकरण (इंस्ट्रूमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म व्यायाम या घबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बशर्ते कि वह और विशेषकर उसकी बांह शिथिल और आराम से हो। बांह थोड़ी बहुत होरिजेंटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर ही तथा उसके कंधे से कपड़ा उतार देना चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीज की रबड़ की भुजा के अन्दर की ओर रख कर और उसके निचले किनारों को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े पट्टी को फैला

कर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूलकर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु घमनी (फ्रेक्चल आर्टरी) को दबा-बसा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर बीजों-बीज स्टेथोस्कोप को हल्के से लाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एब० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की कामक ध्वनियाँ सुनाई पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्यलिक प्रेशर दर्शाता है, जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज ध्वनियाँ सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियाँ हल्की दबी हुई सी सुप्त प्रायः हो जाएँ वह डायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए शोमकारी होता है और इससे रीडिंग गलत होती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं; दाब गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस 'साइलेंट गैप' से रीडिंग में गलती हो सकती है।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किए गए मूत्र की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जाँच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के घातक बिन्दु और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैण्डर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है इसका ग्लूकोज मेह (मधुमेह) नान डायबेटिक) है और बोर्ड इस केस को मेडिसन के किसी ऐसे निश्चित विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएँ हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैण्डर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएँ जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड का "फिट" "अनफिट" की अंतिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। अधिष्ठ के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाए।

9. यदि जाँच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या इससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा व्यवसायी का स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख से 6 हफ्ते बाद प्रत्येक प्रमाण-पत्र के लिए उसको फिर से स्वस्थता परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए:

(क) उम्मीदवार को दोनों काना से अच्छा सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिह्न नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया आपरेशन या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बशर्ते कि कान की बीमारी बहने वाली न हो। यह उपबंध भारतीय रेल भण्डार सेवा के अलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, तार इंजीनियरी सेवा, ग्रुप के तार याना-यात सेवा ग्रुप अ, केन्द्रीय इंजीनियरिंग सेवा ग्रुप क और केन्द्रीय वैद्युत

इंजीनियरी सेवा ग्रुप पर लागू नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्गदर्शन के लिए इस संबंध में निम्नलिखित जानकारी दी जाती है :

1	2	3
(1) एक कान में प्रकट अवयवा पूर्ण बहुरापन, दूसरा कान सामान्य होगा।	यदि फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसिबिल तक हो तो गैर तकनीकी काम के लिए योग्य।	
(2) दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें श्रवण यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो।	यदि 1000 से 4000 तक की स्पीच-फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसिबिल तक हो तो तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिए योग्य।	
(3) सेंद्रस अवयवा मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्ब्रेन छिद्र।	(1) एक कान सामान्य हो दूसरे कान से टिमपेनिक मेम्ब्रेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य। काम की वांछ्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अवयव छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नीचे दिए गए नियम 4 (2) के अधीन विचार किया जा सकता है। (2) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।	
(4) कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड कैविटी से सब-नार्मल श्रवण।	(3) दोनों कानों ; से द्रुत छिद्र होने पर अस्थायी रूप से अयोग्य। (1) किसी एक कान से सामर्थ्य रूप में एक ओर से मस्टायड कैविटी से सुनाई देता हो दूसरे कान से सब-नार्मल-श्रवण वाले कान/मस्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कानों के लिए योग्य। (2) दोनों ओर से मस्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य, यदि किसी भी कान की श्रवणता श्रवण-यंत्र लगाकर अवयव बिना लगाए सुधार कर 30 डेसी-बिल हो जाने पर गैर-तकनीकी कानों के लिए योग्य।	
(5) बहते रहने वाला कान आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन वाला।	(2) तकनीकी तथा गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के कानों के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य।	
(6) नासापुट की हड्डी संबंधी विष-यताओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित अवयव। उससे रहित नाक की जीर्ण प्रदाहक एलर्जिक दर्शा।	(1) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।	

1	2	3
(7) टॉमिस् और/अथवा स्वरयंत्र (लेमिस्) की जीर्ण प्रदाहक दशा।	(1) टॉमिस् और/अथवा स्वरयंत्र की जीर्ण प्रदाहक दशा योग्य।	(2) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कशता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
(8) कान, नाक, गले (ई० एन० टी०) के हल्के अथवा अपने स्थान पर दुर्बल द्युमर।	(1) हल्का द्युमर—अस्थायी रूप से अयोग्य।	(2) दुर्बल द्युमर—अयोग्य।
(9) आस्टोकिरोसिस	श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाव श्रवणता 30 डेसिबल के अन्तर होने पर योग्य।	
(10) काम, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष।	(1) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य। (2) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।	
(11) मेजल पोली	अस्थायी रूप से अयोग्य।	

- (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।  
 (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिए जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं।  
 (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जाएगा)।  
 (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।  
 (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।  
 (च) उसे रक्चर है या नहीं।  
 (छ) उसे हाइड्रोसिल, बड़ी हुई बरिफोसिल, बेरिकाजिजिरा (वेम) या बवासीर हैं या नहीं।  
 (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रथियां सली भाति स्वतंत्र रूप से हिलती हैं या नहीं।  
 (झ) उसके कोई चिरस्थायी लवचा की बीमारी है या नहीं।  
 (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।  
 (ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिससे कमजोर गठन का पता लगे।  
 (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।  
 (ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़े की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, सभी मामलों में नेमी रूप से छाती की एकसरे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्वक इयुटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

टिप्पणी :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उपर्युक्त सेवाओं के लिये उनकी योग्यता का निर्धारण करने के लिए नियुक्त स्पेशल या स्टैंडिंग मेडिकल बोर्ड के खिलाफ उन्हें अपील करने के लिए कोई हक नहीं है, किन्तु यदि सरकार को प्रथम बोर्ड की जांच में

निर्णय की गलती की संभावना के संबंध में प्रस्तुत किए गए प्रमाण के बारे में तमक्की हो जाए तो सरकार दूसरे बोर्ड के सामने एक अपील की इजाजत दे सकती है। ऐसा प्रमाण उम्मीदवार को प्रथम मेडिकल बोर्ड के निर्णय भेजने की तारीख से एक महीने के अन्तर पेश करना चाहिए वरना दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने अपील करने की प्रार्थना पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि प्रथम बोर्ड के निर्णय की गलती की संभावना के बारे में प्रमाण के रूप में उम्मीदवार मेडिकल प्रमाण पत्र पेश करे तो इस प्रमाण-पत्र पर उस हालत में विचार नहीं किया जाएगा जबकि उसमें संबंधित मेडिकल प्रैक्टीशनर का इस आशय का नोट नहीं होगा कि यह प्रमाण-पत्र इस तथ्य के पूर्ण ज्ञान के बाद ही दिया गया है कि उम्मीदवार पहले से ही सेवाओं के लिए मेडिकल बोर्ड द्वारा अयोग्य घोषित करके अस्वीकृत किया जा चुका हो।  
 मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्ग दर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाये जाने वाले स्टैंडर्ड से संबंधित उम्मीदवारों की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए। किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा, जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपार्टिंग अथॉरिटी) को यह तसल्ली नहीं कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाइली इन्फैमिटी) नहीं है जिससे वह उम सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य में भी उतना ही सम्बद्ध है जितना वर्तमान में है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेन्शन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि यही प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार की अस्वीकृत करने की सलाह हम हाल में नहीं दी जानी चाहिए जबकि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल कम परिस्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जाएगा।

जो उम्मीदवार भू-विज्ञानी (कनिष्ठ) और सहायक भू-विज्ञानी के पदों पर नियुक्त किये जायेंगे उन्हें भारत में या भारत से बाहर क्षेत्रगत कार्य करना होगा। ऐसे उम्मीदवार के मामले में चिकित्सा बोर्ड को अपना मत स्पष्ट रूप से व्यक्त करना चाहिए कि वह क्षेत्रगत कार्य के लिए योग्य है या नहीं।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट गोपनीय रखनी चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार पर उम्मीदवार को बताया जा सकते हैं। किन्तु मेडिकल बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तृत व्योरा नहीं दिया जा सकता है।

ऐसे मामलों में जहाँ मेडिकल बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार के अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (मेडिकल या सर्जिकल) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ मेडिकल द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए।

नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है जब वह खराबी दूर हो जाए तो एक दूसरे मेडिकल बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतंत्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थाई तौर पर अयोग्य करार दिया जाए तो पुनरा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निम्नलिखित अवधि के बाद जब पुनरा परीक्षा की जाए तो ऐसे उम्मीदवारों को और आगे की अवधि के लिए स्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उनकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिए अयोग्य हैं ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवारों को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देनी चाहिए और उसके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिए हुए नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उस उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें -----  
(साफ अक्षरों में)
2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं -----
3. (क) क्या आप गीरखा, गड़वाली, असमी, नागालैण्ड जनजाति आदि में से किसी जाति से सम्बन्धित हैं जिसका ग्रीसत कब दूसरों से कम होता है। "हाँ" या "नहीं" में उत्तर दीजिए।  
उत्तर हाँ में हो तो उस जाति का नाम बताइए।
- (ख) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियाँ (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना शूक से खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के घेरे, रुमटिज्म ऐपेंडिसाइटिस हुआ है ?
- (ग) क्या दूसरी ऐसी कोई बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है ?
4. आपको चेचक आदि का टीका आखिरी बार कब लगा था ?
5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अक्षीरता (नर्वसनेस) हुई।
6. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौर दें :—

यदि पिता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाईयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	---	--

यदि माता जीवित हो तो उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं और उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है उनकी आयु और मृत्यु का कारण।
--	---	---	---

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपको परीक्षा की है ?
8. यदि ऊपर का उत्तर हाँ में हो तो बताएं किस सेवा/किम् सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी?
9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?
10. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ-----
11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो-----  
में घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है ऊपर दिए गये

सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर  
मेरे सामने हस्ताक्षर  
किए-----  
बोर्ड के अध्यक्ष के  
हस्ताक्षर-----

नोट :—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझकर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति छो बैठने का जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी जाए तो वार्षिक निवृत्ति भत्ता (सुपरएन्युएशन) अलाउंस या उपदान (ग्रेज्युटी) के सभी दावों से हाथ छो बैठेगा।

(ख) ----- (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा का मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट-----

1. सामान्य विकास-----अच्छा-----बीच का-----  
पोषण : पतला-----औसत-----  
मोटा-----का कद (जूते उतार कर)-----वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन-----  
तापमान : -----  
छाती का घेर -----
- (1) पूरा सांस खींचने पर -----
- (2) पूरा सांस निकालने पर-----
2. त्वचा-----कोई जाहिर बीमारी
3. नेत्र :-----
- (1) कोई बीमारी -----
- (2) रतींधी -----
- (3) कलर विजन का दोष -----
- (4) दृष्टि के क्षेत्र (फील्ड आफ विजन)-----
- (5) फ्लैश की जांच -----
- (6) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्जोटी) -----
- (7) त्रिविम संयोजन की योग्यता-----

दृष्टि की तीक्ष्णता	चरम के बिना	चरम से	चरम की पावर गोल सिलिएक्सस
दूर की नज़र	दा० ने० बा० ने०		
पास की नज़र	दा० ने० बा० ने०		

हाथपसमैट्रोपिया (व्यक्त) बा० ने०

4. कान : निरीक्षण-----सूचना  
बायाँ कान-----बायाँ कान-----
5. ग्रंथियाँ-----पाईराइड-----
6. दांतों की हालत-----
7. रक्तचक्र (रेसपीरेटर सिस्टम)-----का शारीरिक परीक्षण करने पर सांस के अंगों में किसी असमानता का पता लगा है।
- यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा ब्यौर दें-----
8. परिसंचरण तंत्र (सरक्यूलेटरी, सिस्टम)
- (क) हृदय और आंगिक गति (आर्मेनिक गति) गति (रेट):  
खड़े होने पर

25 बार कुड़ाए जाने के बाद-----  
कुड़ाए जाने के 2 मिनट बाद-----



- (ख) ग्लड प्रेशर—सिस्टानिक—  
डायलैटिक—
- 9 उवर (पेट) घेरा—स्पर्शकृता  
हानियां—
- (क) दवाकर मालूम पड़ता: जिरगर—  
विल्ली—गुर्दे—  
ट्यूमर—
- (ख) रक्ताश—  
भगंदर—
10. तंत्रिका तंत्र (नर्वससिस्टम) तंत्रिका या मानसिक अपसामान्यता का संकेत—
11. चाल तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम):  
कोई अपसामान्यता—
12. जनन मूल तंत्र (जैनेटी यूरिनरी सिस्टम)—  
हाइड्रोसोल, बैरिकोसोल आदि का कोई संकेत:  
मूल परीक्षा:—  
(क) कैसा दिखार्ड पड़ता है?  
(ख) उपेक्षित गुणत्व (स्पेसिफिक ग्रेविटी)  
(ग) एल्बुमन  
(घ) शक्कर  
(ङ) कास्टस  
(च) कोशिकाएं (सेल्स)
13. छाती के एकसरे परीक्षा की रिपोर्ट—
14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है।
- नोट:—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अथवा उसमें अधिक समय गंभीर है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए (वेब) विनियम 9।
15. (क) उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के किन सेवाओं में कार्य के दक्ष तथा सतत निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए यह अयोग्य पाया गया है।  
(ख) क्या उम्मीदवार क्षेत्रगमन सेवा के लिए योग्य है।
- नोट—बोर्ड को अपना निर्णय निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक में रिकार्ड करना चाहिए।  
(i) योग्य  
(ii) —के कारण योग्य  
(iii) —के कारण अस्थायी रूप से अयोग्य
- स्थान —अध्यक्ष—  
तारीख —सदस्य—

## परिशिष्ट III

इस परीक्षा के आधार पर जिन पदों के लिए भर्ती की जा रही है उनके संबंध में संक्षिप्त विवरण।

## भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण

## (1) भू-विज्ञान (कनिष्ठ) ग्रुप क

(क) नियुक्ति के लिये चुने गये उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रहना होगा। आवश्यक होने पर यह अवधि बढ़ाई जा सकती है।

3—261 GI/85

(ख) परीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवार को प्रशिक्षण और शिक्षण का ऐसा काम पूरा करना होगा और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उम्मीदवारों को सक्षम अधिकार द्वारा विहित किए जाएंगे।

(ग) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में निर्धारित वेतनमान:

(i) भूविज्ञानी (कनिष्ठ) (कनिष्ठ वेतनमान) रु० 700-40-900-४० रु०-40-1100-50-1300।

(ii) भूविज्ञानी (वरिष्ठ) (वरिष्ठ वेतनमान) रु० 1100-50-1600।

(iii) निदेशक (भूविज्ञानी)—रु० 1500-60-1800-100-2000।

(iv) उपमहानिदेशक/(भूविज्ञान)—रु० 2250-125/2-2500।

(v) वरिष्ठ उपमहानिदेशक (परिचालन)—रु० 2500-125/2750।

(vi) महानिदेशक—रु० 3000 (नियत)

(घ) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित किए गए भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की जाएगी।

(ङ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें वह होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा निवृत्ति सेवा विनियमों से उल्लिखित हों।

(च) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भविष्य निधि की शर्तें लागू होंगी।

(छ) भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण के समस्त अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत के बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

## (2) सहायक भू-विज्ञानी ग्रुप ख

(क) नियुक्ति हेतु, चुने गए उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यदि आवश्यकता हुई तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) परीक्षा अवधि के दौरान उम्मीदवार को प्रशिक्षण और शिक्षण का ऐसा काम पूरा करना होगा और ऐसी परीक्षा तथा परीक्षण उत्तीर्ण करने होंगे जो सक्षम अधिकारी द्वारा विहित किए जाएंगे।

(ग) वेतन का निर्धारित वेतनमान: रु० 650-30-740-35-810-४० रु०-35-880-40-1000-४० रु०-40-1200।

(घ) भू-विज्ञानी (ग्रुप क—कनिष्ठ वेतनमान) के मंचों में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा भारतीय भू-विज्ञान सर्वेक्षण में सहायक-भू-विज्ञान के निम्न ग्रेड से पदोन्नति द्वारा की जाएगी।

(ङ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें वही हैं जिनका उल्लेख क्रमशः सरकार द्वारा समय-समय पर यथा आशोधित मूल नियमों तथा निवृत्ति सेवा विनियमों में किया गया है।

(च) भविष्य निधि की शर्तें वही हैं जिनका उल्लेख सरकार द्वारा समय-समय पर यथा आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में किया गया है।

(छ) सहायक भू-विज्ञानियों की भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

## 2. केन्द्रीय भू-जल बोर्ड

(i) कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी ग्रुप क—

(क) नियुक्ति हेतु चुने गये उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि हेतु परीक्षा पर रखा जाएगा उस अवधि की आवश्यकता—नुसार बढ़ाया जा सकता है।

(ख) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड में विहित वेतनमान—

(i) कनिष्ठ जल-भूविज्ञानी—रु० 700-40-900-रु० 100-40-1100-50-1300।

(ii) अरिष्ठ जल-भू-विज्ञानी—रु० 1100-50-1600।

(iii) निदेशक—रु० 1500-60-1800-100-2000।

(iv) मुख्य जल-भू-विज्ञानी—रु० 2250-125/2-2500।

(ग) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित किये गये भर्ती नियमों के अनुसार विभाग में पदों के उच्चतर ग्रेडों में पदोन्नति की जाएगी।

(घ) सेवा और अवकाश तथा पेंशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

(ङ) सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार भविष्य निधि की शर्तें लागू होंगी।

(च) केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के समस्त अधिकारियों को भारत के किसी भी भाग में या भारत से बाहर कार्य करना पड़ सकता है।

2. सहायक जल भू-विज्ञानी ग्रुप ख

(क) नियुक्ति हेतु चुने गये उम्मीदवारों को दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा यदि आवश्यक समझा गया, तो यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है।

(ख) निर्धारित वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-रु० 35-880-40-1000-रु० 100-40-1200।

(ग) कनिष्ठ जल भू-विज्ञानी (ग्रुप क) के संघर्ष में भर्ती अंशतः संघ लोक सेवा आयोग को प्रतियोगिता परीक्षा द्वारा और अंशतः समय-समय पर सरकार द्वारा आशोधित भर्ती नियमों के अनुसार विभागीय नियमों पदोन्नति समिति द्वारा केन्द्रीय भू-जल बोर्ड के सहायक जल विज्ञानी के निम्न ग्रेड से पदोन्नति द्वारा दी जाएगी।

(घ) सेवा, अवकाश और पेंशन की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित मूल नियमों तथा सिविल सेवा विनियमों में उल्लिखित हैं।

(ङ) भविष्य निधि की शर्तें वही होंगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर आशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएँ) नियमावली में उल्लिखित हैं।

(च) सहायक जल भू विज्ञानियों को भारत में या भारत के बाहर कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 24th September 1985

No. 98-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police :—

*Name and rank of the officer*Shri Devi Saran Singh,  
Inspector of Police,  
Police Station Bhoganipur,  
District Kanpur Dehat.*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the 7th February, 1982, Shri Devi Saran Singh, Inspector of Police, Police Station Bhoganipur, District Kanpur Dehat received information that dacoit Raghunath Mallah alongwith his associates would stay in 'Arhar' field in the ravines between village Nagwan and Rasulpur. Shri Singh, alongwith available force, reached village Rasulpur. The gang having sensed the presence of Police party, opened indiscriminate firing on them. The Police returned the fire and built up pressure on the gang. Anticipating that the gang might jump into the ravines in a bid to escape, Shri Singh intelligently moved a group of Policemen towards East and he himself kept the gang engaged in firing. The manœuvre succeeded and the gang was trapped between the two sides. After a heavy exchange of fire, the Police parties succeeded in shooting down the main leader Raghunath Mallah who carried a State reward on his head. A rifle and a huge quantity of ammunition were recovered from his possession. The other two decoits managed to escape in the ravines.

In this encounter, Shri Devi Saran Singh, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 7th February, 1982.

No. 99-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Punjab Police :—

*Names and rank of the officers*Shri Bakhshish Singh,  
Head Constable No. 1624/LDH.Shri Bhupinder Singh Rana, (Posthumous)  
Head Constable, No. 1004/LDH.*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the 21st September, 1983, when Shri D. R. Bhatti, Senior Supdt. of Police reached his office in the Mini-Secretariat, Ludhiana, he and his gunman Shri Bhupinder Singh Rana, Head Constable were fired upon by four unknown extremists. Shri Bhatti received two bullet injuries—one just near his heart and the other in his left shoulder. Unmindful of the injuries sustained by him, he kept utmost presence of mind and fired four rounds from his service revolver on the assailants. The gunman, who was escorting Shri Bhatti, also fired from his sten-gun on the extremists. Unfortunately Shri Bhupinder Singh Rana, Head Constable (Gunman) was hit by the extremists bullets and succumbed to his injuries on the spot. Shri Bakhshish Singh, Head Constable, who was also following the Senior Supdt. of Police on his Motor-Cycle, opened fire and shot dead one of the extremists. However, the other three assailants escaped. One Pistol with 4 loaded cartridges and 8 live cartridges, were recovered from the extremist.

Shri Bakhshish Singh, Head Constable and Shri Bhupinder Singh Rana, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 21st September, 1983.

No. 100-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned Officer of the Uttar Pradesh Police :—

*Name and rank of the officer*

Shri Girish Nandan Singh,  
Deputy Superintendent of Police,  
Agra.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the 17th March, 1983, Shri Girish Nandan Singh, Deputy Supdt. of Police, received information that dacoit Surendra Kumar alias Naksey, alongwith 6-7 members of his gang, was taking shelter in Murdon Wali Nariya in the dense ravines of Bah with a view to execute one of his diabolical plans. Shri Girish Nandan Singh collected the available force and divided the same into three parties. While two of these parties were to act as stoppers to intercept any retreating dacoits, Shri Singh himself took the command of the third party which was to comb the area. In spite of the great risk involved, Shri Singh led his party towards the ravines and moved swiftly towards the 'hideout' of the dacoits. The sentry of the dacoits alerted the gang, who started firing several points at the Police party. The Police party moved in formation and responded to the firing effectively. The criminals could not face the Police firing and retreated. Shri Singh led his party along a gully where the dacoits had taken positions on both sides. As the Police party moved further it was caught in cross-fire. In this predicament, the Police party could be saved only by the firing cover provided from a higher altitude on one of the ridges. In order to achieve this object, Shri Singh himself undertook this arduous job and after climbing over slopes and edges got on to a ridge overlooking the gang. He fired at the dacoits from this position causing great surprise and panic to the dacoits gang. In the meantime the Police party also joined Shri Singh. After alerting the stopper parties, they mounted an attack on the gang in which one dacoit was killed. The rest of the gang, however, escaped through the thick undergrowth.

In this encounter Shri Girish Nandan Singh, Deputy Supdt. of Police, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 17th March, 1983.

No. 101-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Uttar Pradesh Police :—

*Names and rank of the officers*

Shri Ram Narain Sharma,  
Deputy Superintendent of Police.

Shri Rajendra Kumar Singh,  
Inspector of Police.

Shri Madan Lal Verma,  
Sub-Inspector of Police.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the evening of the 12th April, 1984, while patrolling the area near village Ramsari, Shri Madan Lal Verma, Sub-Inspector and his party, received information about the presence of Ram Raj Singh and his gang. They were reportedly planning to commit some sensational crime. Shri Verma without losing time, acted promptly and reached the spot at about 8.00 p.m. and after having satisfied himself about the presence of the gang, he intelligently surrounded the gang and challenged the criminals to surrender. In utter defiance of the call, the gang opened fire at the Police party. The Police party headed by Shri Madan Lal Verma, Sub-Inspector, took covers and returned the fire. Although some Policemen received gun shot injuries in the exchange of fire, Shri Verma did not lose courage and kept the gang engaged in the encounter. On receipt of information, Shri Rajendra Kumar Singh, Inspector of Police, with a small posse of the force, rushed to the scene alongwith some reliable and brave villagers for help. The entire force then

quickly divided into three parties and Shri Singh himself took up the leadership of operation. The exchange of fire continued upto 2.30 a.m. on the 13th April, 1984. Shri Ram Narain Sharma, Circle Officer, who was also informed of the situation, reached the scene with additional force and took up the leadership of the Police party and challenged the criminals to stop firing and surrender. It had also no effect on the criminals. Shri Sharma located the actual position of the outlays and moved towards the gang. In this process the received gun shot injuries in his right hand. As Shri Sharma was bleeding profusely, he had to be evacuated to the hospital. Shri Rajendra Kumar Singh, Inspector, took the command of the Police party and continued to advance towards the dacoits. Although he was injured in this process yet he kept on advancing and firing at the criminals. When the encounter finally ended the Police discovered that the gang leader Ram Raj Singh and his trusted lieutenants Nanha Singh, Baboo Ram and Kalloo alias Chachoo had lost their lives as result of Police firing. Two SBBL guns, one DBBL factory made gun and C.M. Pistol with a large number of fires and live cartridges were recovered from the possession of the dacoits. Three members of the gang, however, managed to escape under the cover of darkness.

In this encounter, Shri Ram Narain Sharma, Deputy Supdt. of Police, Shri Rajendra Kumar Singh, Inspector and Shri Madan Lal Verma, Sub-Inspector, displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 12th April, 1984.

No. 102-Pres/85.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Tripura Police :—

*Name and rank of the officer*

Shri Sudhangshu Taran,  
Asstt. Sub-Inspector of Police,  
Ompi Police Station, South Tripura District.

*Statement of services for which the decoration has been awarded*

On the 24th May, 1983, information was received that a few insurgents were hiding in a house at Longthong Basti of Dhanlekha area. Shri Sudhangshu Taran, Assistant Sub-Inspector, Ompi alongwith two sections of Central Reserve Police Force was deputed to apprehend the insurgents. With the help of a civilian, the hiding place of the insurgents was located. One section of the CRPF was led by Shri Taran for charging over the hide-out whereas the other section was under the command of a NCO for giving firing cover to the raiding party. As soon as the raiding squad reached the hiding place they were heavily fired upon by the insurgents. The Police party returned the fire. Shri Taran and his party crawled swiftly towards the hide-out in the midst of heavy firing between the hostiles and the Police covering party and after reaching close to the hide-outs charged over the insurgents. The firing from the close quarters and continuous firing by another Police squad from a distance, scared the insurgents, who left their position and started fleeing towards the East. At this time, Shri Taran ordered his men to pounce upon the insurgents and he himself went in their pursuit. The Police shot dead one insurgent in the encounter. Three more insurgents were captured while others managed to escape. One SLR, two Rifles, one revolver, one hand grenade, a huge quantity of ammunition and many incriminating documents were recovered from the captured insurgents.

Shri Sudhangshu Taran, Asstt. Sub-Inspector of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion to duty of a high order.

This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 24th May, 1983.

S. NILAKANTAN  
Deputy Secretary to the President

## PLANNING COMMISSION

New Delhi-110001, the 22nd September 1985

## RESOLUTION

No. E-11015/5/85-Hindi.—In continuation of Planning Commission Resolution No. E-11015/17/83-Hindi dated the 25th August, 1984 the Govt. of India have decided to nominate the following persons as members of Hindi Sahahkar Samiti of the Ministry of Planning :—

*Two Members of Parliament from Lok Sabha*

- |                                     |  |
|-------------------------------------|--|
| 1. Shri Chandra Mohan Singh<br>Negi | } (In place of Shri<br>B. K. Nair and Shri<br>Chandra Bhan Athare<br>Patil). |
| 2. Shri Dalbir Singh.               |  |

*Two Members of Parliament from Parliamentary Committee on Official Language*

1. Shri Jagdambi Prasad Yadav
2. Shrimati Kesarbai Ksheer Sagar

## ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all the members of the Samiti, all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India and all the Ministries/Departments of Government of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. C. AGARWAL, Director (Administration)

## MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF REVENUE)

New Delhi, the 11th July 1985

No. 109/85 F. No. A.11013/91/84-Ad.IV.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Rangwani, Member (Central Excise), Central Board of Excise and Customs and ex-officio Additional Secretary, Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue), as full time Member of the Technical Study Group (constituted under this Ministry's Resolution No. A. 11013/9/84-Ad.IV dated 22nd September, 1984) in place of Member (Budget) Central Board of Excise and Customs who was a part-time member on the Group.

O. P. GULLA, Dy. Secy.

## MINISTRY OF INFORMATION &amp; BROADCASTING

New Delhi, the 9th September 1985

## RESOLUTION

No. E.11015/1/85-Hindi.—In supersession of Ministry of Information & Broadcasting Resolution No. E.11015/1/80-Hindi, dated 14th August, 1981, the Government of India have decided to reconstitute the Hindi Advisory Committee of the Ministry of Information and Broadcasting.

2. The Committee will consist of :—

- |   |          |
|---|----------|
| 1. Minister of State for Information and Broadcasting.                  | Chairman |
| <i>Members of Parliament</i>  |          |
| 2. Shrimati Kishori Sinha (Lok Sabha)                                   | Member   |
| 3. Shrimati Geeta Mukherjee (Lok Sabha)                                 | Member   |
| 4. Shri Chaturanan Mishra (Rajya Sabha)                                 | Member   |
| 5. Shri R. C. Bhardwaj (Rajya Sabha)                                    | Member   |
| <i>Members of Committee of Parliament on Official Language</i>          |          |
| 6. Shrimati Indubala Sukhadia,<br>Member, Lok Sabha                     | Member   |
| 7. Shri N. Tombi Singh,<br>Member, Lok Sabha                            | Member   |
| <i>Non-Officials</i>  |          |
| 8. Shri Manzural Amin,<br>Professor, Jamia Millia University,<br>Delhi. | Member   |

- |  |        |
|--|--------|
| 9. Shri Prabhat Shastri,<br>Pradhan Mantri,<br>Hindi Sahitya Sammelan,<br>Prayag (Allahabad).  | Member |
| 10. Shrimati Sheela Jhunjhunwala,<br>Editor,<br>Saptahik 'Hindustan', New Delhi.   | Member |
| 11. Shri Girija Kumar Mathur,<br>Retired Dy. Director General,<br>Doordarshan, New Delhi.  | Member |
| 12. Dr. N. S. Dakshinamurthy,<br>Reader in Hindi,<br>Department of P. G. Studies &<br>Research of Hindi,<br>University of Mysore,<br>Mysore. | Member |
| 13. Dr. Ramdarash Mishra,<br>Professor,<br>Department of Hindi,<br>Delhi University,<br>Delhi.   | Member |
| 14. Shrimati Mannu Bhandari,<br>Writer,<br>New Delhi.  | Member |
| 15. Shri Ashish Sanyal,<br>Calcutta.   | Member |
| 16. Shri Suresh Jethalal Joshi,<br>Badodra.  | Member |
| 17. Shri Rajendra Mathur,<br>Editor, Nav Bharat Times,<br>New Delhi.   | Member |
| 18. Shri K. L. Nandan,<br>Editor,<br>"Dinman",<br>New Delhi.   | Member |
| 19. Shri Kunwar Narayan,<br>Lucknow.   |        |
| 20. Shri U. C. Aggarwal,<br>President,<br>Kendriya Sachivalaya<br>Hindi Parishad,<br>New Delhi.  | Member |
| 21. Shri Y. G. Shinde,<br>Pune.  | Member |

## Officials

- |  |        |
|--|--------|
| 22. Secretary,<br>Deptt. of Official Language and<br>Hindi Advisor to the Govt. of India | Member |
| 23. Secretary,<br>Ministry of Information and<br>Broadcasting.                           | Member |
| 24. Director General, All India Radio,   | Member |
| 25. Director General, Doordarshan.   | Member |
| 26. Principal Information Officer,<br>P.I.B.   | Member |
| 27. Director, Publications Division  | Member |
| 28. Managing Director,<br>National Film Development Corporation<br>Ltd., Bombay.         | Member |
| 29. Chairman, Commission for Scientific and<br>Technical Terminology.                    | Member |
| 30. Joint Secretary,<br>Department of Official Language.                                 | Member |
| 31. Joint Secretary connected with Hindi work,<br>Ministry of I & B.                     |        |

## 3. Functions :

The Functions of the Committee will be to render advice in regard to progressive use of Hindi for official purposes in the Ministry of Information and Broadcasting and its Media Units in accordance with the policies laid down by the Kendriya Hindi Samiti and the Department of Official Language (Ministry of Home Affairs) on the subject

4. *Tenure :*

The tenure of members of the Committee will ordinarily be three years from the date of re-constitution of the Committee provided that :—

- (i) Members of Parliament, who are members of the Committee, shall cease to be members of the of Parliament;
- (ii) The ex-officio members of the Committee shall continue as members so long as they hold office by virtue of which they are members of the Committee, and
- (iii) If a vacancy arises on the Committee due to resignation or death of a member, the member appointed to that vacancy shall hold office for the residual period of the tenure of three years.

*General*

- (i) The Committee may co-opt additional members and also invite experts to attend its meetings as may be necessary for assisting it in the discharge of its functions.
- (ii) The Headquarter of the Committee shall be at New Delhi but it may hold its meetings at any Committee, as soon as they cease to be members other place also.
- (iii) Non-official members of the Committee will be paid travelling allowance and daily allowance for attending the meetings of the Committee at the rates prescribed by the Government of India from time to time and as admissible under rules.

**ORDER**

ORDERED that a copy of this resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administration, all Ministries/Departments of the Government of India, President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Deptt. of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Sectt., Planning Commission, Comptroller and Auditor General, Accountant General, Central Revenues and Controller General of Accounts.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

V. S. JAFAR, Jt Secretary

**MINISTRY OF LABOUR**

New Delhi, the 23rd August 1985

**RESOLUTION**

No. S-24019/21/81-MV/W.II.—The Resolution dated 10th July, 1984 re-constituting the Compat Standing Tripartite Committee is amended as follows, namely :—

In the said Resolution, after para 4 the following may be added, namely —

"5. The Committee may, at any time and for such period as it thinks fit, co-opt any person or persons to it and also, if it considers it necessary or expedient so to do, invite any person to attend any meeting, he shall not be entitled to vote thereat."

R. D. MISHRA, Under Secy.

**MINISTRY OF STEEL AND MINES  
RULES**

New Delhi, the 5th October 1985

No. A-12025/2/85-M.2.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1986 for the purpose of filling vacancies in the following posts are, with the concurrence of Ministry of Irrigation, published for general information :—

*Category I* (Posts in the Geological Survey of India, Ministry of Steel and Mines).

- (i) Geologist (Junior), Group A and
- (ii) Assistant Geologist Group B

*Category II* (Posts in the Central Ground Water Board, Ministry of Irrigation).

(i) Junior Hydrogeologist, Group A

(ii) Assistant Hydrogeologist, Group B

1. A candidate may compete in respect of any one or both the categories of posts mentioned above. He should clearly indicate in his application the posts for which he wishes to be considered in the order of preference.

No request for alteration in the preferences indicated by a candidate in respect of posts covered by the category/categories for which he is competing would be considered unless the request for such alteration is received in the office of the Union Public Service Commission with 30 days of the date of publication of the result of the written examination in the Employment News.

2. Appointments on the results of the examination will be made on a temporary basis in the first instance. The candidates will be eligible for permanent appointment in their turn as and when permanent vacancies become available.

3. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

4. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix 1 to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

5. A candidate must be either—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) A Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), or from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 30 years on 1st January 1986 i.e. he must have been born not earlier than 2nd January 1956, and not later than 1st January 1965.

(b) the upper age limit will be relaxable upto a maximum of 7 years in the case of Government servants if they are employed in a Department mentioned in column I below and apply for the corresponding post(s) mentioned in column II.

Column I	Column II
Geological Survey of India	Geologist (Junior), Group A. Assistant Geologist, Group B
Central Ground Water Board	Junior Hydrogeologist, Group A. Assistant Hydrogeologist, Group B.

(c) The upper age limits prescribed above will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste, or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereon;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975;
- (xiv) up to a maximum of five years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January -1986 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January 1986 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of physical disability attributable to Military Service or on invalidment;
- (xv) up to a maximum of ten years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January 1986 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January 1986 otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or on account of physical disability attributable to Military Service or on invalidment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;
- (xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(b) above, shall be cancelled, if after submitting his application, he resigns from service or his services are terminated by his department/office, either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting the application.

(ii) A candidate who, after submitting his application to his department is transferred to other department/office will be eligible to complete under departmental age concession for the post(s), for which he would have been eligible, but for his transfer, provided his application, duly recommended, has been forwarded by his parent Department.

7. A candidate must have—

- (a) Master's degree in Geology or Applied Geology or Marine Geology from a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act 1956; or
- (b) Diploma of Associateship in Applied Geology of the Indian School of Mines, Dhanbad; or
- (c) Master's degree in Mineral Exploration from a recognised University (for posts in the Geological Survey of India only); or
- (d) Master's degree in Hydrogeology from a recognised University (for posts in the Central Ground Water Board only).

NOTE I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination, but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible, and in any case not later than 31st August, 1986.

NOTE II.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has not any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE III.—A candidate who is otherwise eligible but who has taken a degree from a foreign University may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

8. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

9. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, or those serving under Public Enterprises will be required to submit an undertaking that they have informed in writing, their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

10. The decision of the Commission as to the eligibility, or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

11. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to the candidates along with their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him into consideration.

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

14. After the examination the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for the various posts at the time of his application.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents, is suitable in all respects for appointment to the post.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of the duties of the post. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy those requirements, will not be appointed. Only candidates who are likely to be considered for appointment will be physically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs. 16.00 to the Medical Board concerned at the time of the Medical Examination.

NOTE :—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment to Gazetted posts and of the standards required are given in Appendix II. For the disabled ex-Defence Services personnels, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.

19. No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

20. Brief particulars relating to the posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix III.

J. B. MUNIRAJULU, Under Secy.

#### APPENDIX I

1. The examination shall be conducted according to the following Plan :—

PART I—Written examination in the subjects as set out in para 2 below.

PART II—Interview for Personality Test of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 200 marks (see para 7 below).

2. The following will be the subjects for the written examination :—

Subject	Code No.	Duration	Maximum Marks
1	2	3	4
(1) General English I	01	1½ hrs.	100
(2) Geology Paper I, comprising General Geology, Geomorphology, Structural Geology, Stratigraphy and Palaeontology	02	3 hrs.	200
(3) Geology Paper II, comprising Crystallography, Mineralogy, Petrology and Geo-Chemistry.	03	3 hrs.	200
(4) Geology Paper III, comprising Indian Mineral Deposits, Mineral Exploration Mineral Economics and Economic Geology.	04	2 hrs.	150
(5) Hydrogeology	05	2 hrs.	150

NOTE :—Candidate competing for posts under both category I and category II will be required to offer all the five subjects mentioned above. Candidates competing for posts under category I only will be required to offer subjects at (1) to (4) above and candidates competing for posts under category II only will be required to offer subjects at (1) to (3) and (5) above.

3. The examination in all the subjects will be completely of objective (multiple choice answer) type. For details including Sample Questions, please see "Candidates' Information Manual" at Annexure II to the Commission's Notice.



The Question Papers (Test Booklets) will be set in English only.

4. The standard and syllabus of the examination will be as shown in the Schedule.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

7. Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

8. Special attention will be paid in the Personality Test to assessing the candidate's capacity for leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, powers of practical application, integrity of character and aptitude for adapting themselves to the field life.

### SCHEDULE

#### STANDARD AND SYLLABUS

The standard of the paper in General English will be such as may be expected of a science graduate. The papers on geological subjects will be approximately of the M.Sc. degree standard of an Indian University and questions will generally be set to test the candidate's grasp of the fundamentals in each subject.

There will be no practical examination in any of the subjects.

#### (1) GENERAL ENGLISH (Code 01)

Questions to test the understanding of and the power to write English.

#### (2) GEOLOGY PAPER I (Code 02)

**A. General Geology.**—Origin of the Earth, Continents and Oceans—their distribution, evaluation and origin. Continental drift, ocean spreading and concept of plate-tectonics, Palaeoclimates and their significance. Isostasy, Palaeomagnetism Radioactivity and its application to geology. Geochronology and age of the Earth. Seismology and interior of the Earth Geosynclines. Volcanism. Island arcs, deep-sea trenches and midoceanic ridges. Coral reefs. Orogeny and epeirogeny. Organic cycles.

**B. Geomorphology.**—Geomorphic processes, features and their parameters. Geomorphic cycles and their interpretations. Topography and its relation to structures. Soils.

**C. Structural Geology.**—Physical properties of rocks. Deformation; Faulting and folding—their mechanics. Primary structures. Lineation, foliation and joints. Plutons, diapirs and salt domes. Recognition of top and bottom of beds. Un-conformities. Diastrophism. Petrofabric analysis.

**D. Stratigraphy.**—Principles of stratigraphy and nomenclature. Outlines of world stratigraphy and palaeogeography. Type section of the various geological systems. Gondwana System and Gondwanaland.

Stratigraphy and Palaeogeography of the Indian sub-continent (India, Pakistan and Bangladesh). Correlation of the major Indian formations. Age problems in Indian stratigraphy.

**E. Palaeontology.**—(a) Fossils, their nature, modes of preservation and uses. Morphology, classification and geological history of the invertebrates; corals brachiopods, lamelli-branch ammonites, gastropods, trilobites, echinoderms, graptolites and foraminifers.

(b) Principal groups of vertebrates with emphasis on Gondwana and Siwalik faunas. Evolutionary histories of man, elephant and horse.

(c) Fossil flora with emphasis on Gondwana flora and its significance and distribution.

(d) Micropalaeontology, its importance with special reference to foraminiferids, their ecology and palaeoecology.

#### (3) GEOLOGY PAPER II (Code 03)

##### A. CRYSTALLOGRAPHY

Symmetry elements and classification of crystals. Projections—Spherical and Stereographic; 32 classes (Point groups). Twinning and crystal imperfections.

##### B. DESCRIPTIVE MINERALOGY

Physical, chemical, electrical, magnetic and thermal properties of minerals. Structure and classification of silicates.

Olivine group. Garnet group, Epidote group and Melilite group. Zircon. Spinel, Silimanite, Andalusite, Kyanite, Toron, Staurolite, Beryl, Cordierite, Tourmaline, Pyroxene group and Amphibole group. Wollastonite and Rhodonite. Mica Group. Chloride group and Clay minerals. Feldspar group. Silica minerals. Feldspathoid group. Geolite group and Scapolite group. Oxides, Hydroxides, Carbonates, Phosphates, Halides, Sulphides and Sulphates.

##### C. OPTICAL MINERALOGY

General principles of optics. Optical accessories, Refractive index, birefringence, Extinction angle, Pleochroism, Optical ellipsoids. Optical axial angle. Optic orientation. Dispersion Optic anomalies.

##### D. PETROLOGY

(i) *Igneous*: Forms, structures, texture and classification. Granite-Granodior-Diorite, Syenite-Nepheline Syenite. Gabbro-Peridotite-Dunite Dolerite, Lamprophyre, Pegmatite, Aplite, Ijolite and Carbonatite. Rhyolite, Trachyte, Dacite, Andesite and Basalt.

Phase rule and equilibrium in silicate system. Two component and three-component systems. Order of Crystallisation. Reaction principle. Crystallisation of magmas. Diversity Variation diagrams. Origin of granites, monomineralic and alkaline rocks, carbonatites, pegmatites and lamprophyres.

(ii) *Sedimentary*: Classification and composition. Origin of sediments. Textures and structures. Study of important groups of sedimentary rocks. Mechanical analysis of sediments. Methods of deposition. Palaeocurrents and basin analysis. Provenance of sediments. Depositional environment. Heavy minerals and their significance. Lithification and diagenesis.

(iii) *Metamorphic*: Agents, types, controls, structures, grades and facies of metamorphism. Metamorphic differentiation. Metasomatism and granitisation. Migmatites, granulites, charnockites, amphibolites, schists, gneisses and hornfels. Metamorphism in relation to magma and orogeny.

##### E. GEOCHEMISTRY

Cosmic abundances of elements, primary geochemical differentiation of the Earth; geochemical classification of the elements. Trace elements. Geochemistry of water. Geochemistry of sediments, geochemical cycle and principles of geochemical prospecting.

## (4) GEOLOGY PAPER III (Code 04)

## A. INDIAN MINERAL DEPOSITS

Indian deposits of the following metallic and non-metallic ores and minerals with reference to their distribution, mode of occurrence and origin :

(a) Copper, Lead, Zinc, Aluminium, Magnesium, Iron, Manganese, Chromium, Gold, Silver, Tungsten and Molybdenum.

(b) Mica, Vermiculite, Asbestos, Barytes, Graphite, Gypsum, Ochre, Precious and Semi-precious minerals, refractory minerals, abrasives and minerals for ceramics, glass, fertilizer-cement, paint and pigment industries and building stones.

(c) Coal, petroleum, natural gas and atomic energy minerals.

## B. MINERAL EXPLORATION

Methods of surface and sub-surface exploration, field equipment and field tests used for exploration, guides for locating ore deposits. Sampling assaying and evaluation of ore deposits. Application of geophysical, geochemical and geobotanical surveys in mineral exploration.

## C. MINERAL ECONOMICS

Significance of minerals in national economy. Use of various minerals in manufacturing industries. Demand, supply and substitutes. Production and price of major minerals in India. International aspects of Mineral industries, Strategic, critical and essential minerals. Conservation and national mineral policy. India's status in mineral production.

## D. ECONOMIC GEOLOGY

Mineral deposits—processes of formation, controls of localisation and classification. Study of important metallic and non-metallic minerals with reference to their mineralogy, mode of occurrence and distribution.

## HYDROGEOLOGY (Code 05)

Hydrological cycle. Distribution of water in the earth's crust. Ground Water in hydrological cycle. Origin of ground water, meteoric, juvenile and magmatic water, springs. Classification of rocks with respect of water bearing characteristics. Hydro-stratigraphic units. Geological structures favouring ground water occurrence. Ground water provinces. Ground water reservoirs—Aquifers, acquicludes, aquitards. Classification of aquifers.

Hydrological properties of rocks (Ground water reservoirs) porosity, void ratio, permeability, transmissivity, storativity, specific yield, specific retention, diffusivity. Methods of identification of ground water reservoir properties—Permeability and specific yield/storativity by discharging well methods and laboratory techniques. Forces causing ground water movement. Laws of ground water movement—Darcy's law. Ground water recharge—artificial and natural, factors controlling recharge conjunctive and consumptive use of ground water.

Surface and sub-surface techniques of ground water exploration—geological and geophysical—water balance. Techniques of ground water extraction (Types of wells, methods of well construction in different types of rocks for best yield). Chemical characteristics of ground water in relation to various uses—domestic, industrial and irrigational. Water pollution

## APPENDIX II

## REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming upto the required physical standard.

The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirements prescribed in the regulations cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report to the Medical Board. For the disabled ex-Defence Services Personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the posts.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates, if there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head-level under the horizontal bar, and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in the centimetres thus 84-89, 86-93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in Kilogram; fraction of half a Kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye-sight will be tested in accordance with following rules. The result of each test will be recorded.

(i) *General*—The candidate's eye will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any serious or morbid conditions of eyes, eyelids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.

- (ii) *Visual Acuity*.—The examination for determining the acuteness of vision includes two tests, one of the distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidate shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The standard for distant and near vision with or without glasses shall be as follows :—

Distant Vision		Near Vision	
Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
6/9 or 6·6	6/9 or 6/12	0·6	0·8

NOTE (1).—Total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00D. The total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.

NOTE (2).—*Fundus Examination* : Wherever possible fundus examination will be carried out at the discretion of the Medical Board and results recorded.

NOTE (3).—*Colour vision* : (i) The testing of colour vision shall be essential.

(ii) Colour perception should be graded into a higher and a lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and candidate	4·9 metres	4·9 metres
2. Size of aperture	1·3 mm.	1·3 mm.
3. Time of exposure	5 Sec.	5 Sec.

"For the post of Geologist (Jr.) and Assistant Geologist concerning Geological Survey of India and Junior Hydrogeologist and Asstt. Hydrogeologist concerning Central Ground Water Board, the medical standards in regard to colour perception and all other tests relating to eyes will be of high order."

(iii) Satisfactory colour vision constitutes recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like edrige green shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient, in respect of the services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests, both the tests should be employed.

NOTE (4) *Field of vision*.—The field of vision shall be tested by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful result the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE (5).—*Night Blindness*.—Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaptation is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such a rough test, e.g., recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he/she has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon but they should be given due consideration.

NOTE (6).—(a) *Ocular conditions other than visual acuity*.—Any organic disease or a progressive reactive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.

(b) *Trachoma*.—Trachoma unless complicated shall not ordinarily be a cause for disqualification.

(c) *Squint*.—Where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity is of a prescribed standard, should be considered as disqualification.

(d) *One-eyed persons*.—The employment of one-eyed individuals is not recommended.

#### 7. Blood Pressure.

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidates should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalisation report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electro-cardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

#### Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of elbow. The follow-

ing turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied slightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the systolic pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurement should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Re-checking if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at still lower level. This silent Gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner, should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical test, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria, the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical specialist will carry out whatever examination clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test and, will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of test is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

(a) that the candidates hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist; provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. The following are the guidelines for the medical examining authority in this regard—

1	2	3
(1) Marked or total deafness in one ear other ear being normal.	Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency.	
(2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid.	Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness in upto 30 decibel in speech frequencies of 1000 to 4000.	
(3) Perforation of tympanic membrane of Central or marginal type.	(i) one ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—Temporarily unfit. Under improved Conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4 (ii) below. (ii) Marginal or attic-perforation in both ears—Unfit. (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.	
(4) Ears with Mastoid cavity subnormal hearing on one side/ on both sides.	(i) Either ear normal hearing other ear, Mastoid cavity—Fit for both technical and non-technical jobs. (ii) Mastoid cavity of both, sides, Unfit for technical jobs—Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 decibels in either ear with or without hearing aid.	
(5) Persistently discharging ear operated/unoperated.	Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.	
(6) Chronic Inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.	(i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases. (ii) If deviated nasal Septum is present with symptoms—Temporarily unfit.	

1	2	3
(7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.	(i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and /or Larynx Fit. (ii) Hoarseness of voice if severe degree if present then Temporarily Unfit.	
(8) Benign or locally malignant tumours of the E. N. T.	(i) Benign Tumours Temporarily—Unfit. (ii) Malignant Tumour—Unfit.	
(9) Otosclerosis	If the hearing is within 30 decibels after operation or with the help of hearing aid—Fit.	
(10) Congenital defects of ear, nose or throat.	(i) If not interfering with functions —Fit. (ii) Stuttering of severe degree — Unfit.	
(11) Nasal Poly	Temporarily Unfit.	

(b) that his speech is without impediment;

(c) that his teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);

(d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;

(e) that there is no evidence of any abdominal disease;

(f) that he is not ruptured;

(g) that he does not suffer from hydrocele, severe degree of varicocele, varicose veins or piles;

(h) that his limbs, hands, and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;

(i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;

(j) that there is no congenital malformation or defect;

(k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;

(l) that he bears marks of efficient vaccination; and

(m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in that Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above posts. If, however, Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board it is open to Government to allow

an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate otherwise no request for an appeal to a second Medical Board, will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgement in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains, a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate had already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

#### Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner.

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease constitutional affection or bodily infirmity unfitting him or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the posts of Geologists (Jr.) and Assistant Geologist are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specifically record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board.

There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared temporarily 'Unfit', period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the Warning contained in the Note below:—

1. State your name in full (in block letters).....
2. State your age and birth place .....
3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is "Yes" state the name of the race.
- (b) Have you ever had small-pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis-
- (c) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment?
4. When were you last vaccinated?
5. Have you suffered any form of nervousness due to overwork or any other cause?
6. Furnish the following particulars concerning your family.

Father's age if living, and State of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brother dead, their ages at and cause of death.
---	--	--	--

Mother's age if living, and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
---	--	---	---

7. Have you been examined by a Medical Board before?
8. If answer to the above is 'Yes' please state what Services/Posts you were examined for.
9. Who was the examining authority?

10. When and where was the Medical Board held? .....

1. Results of the Medical Board's examination, it communicated to you or if known .....

I declare all the above answers to be the best of my belief, true and correct.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence.

Signature of Chairman of the Board.

NOTE :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims of superannuation allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (Name of candidate) physical examination.

1. General development : Good ..... Fair ..... Poor .....  
 Nutrition : Thin ..... Average ..... Obese.....  
 Height (without shoes) ..... Weight .....  
 Any recent change in weight .....  
 Temperature .....

Girth of Chest :—

- (1) (After full inspiration) .....
- (2) (After full expiration) .....
2. Skin : any obvious disease .....
3. Eyes .....  
 (1) Any disease .....  
 (2) Night blindness .....  
 (3) Defect in colour vision .....  
 (4) Field of Vision .....  
 (5) Fundus Examination .....  
 (6) Visual Acuity .....  
 (7) Ability for stereoscopic fusion .....

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glasses sph.cv. Axis
------------------	-----------	--------------	----------------------------------

Distant Vision  
 RE  
 LE

Near Vision  
 RE  
 LE

Hypermetropia  
 (Manifest)  
 RE  
 LE

4. Ears : Inspection ..... Hearing : Right Ear .....  
 ..... Left Ear .....

5. Glands ..... Thyroid

6. Condition of teeth .....

7. Respiratory system : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs?

If yes, explain fully .....

8. Circulatory system .....

- (a) Heart and organic lesions .....  
 Rate : Standing .....  
 After hopping 25 times .....  
 2 minutes after hopping .....

- (b) Blood Pressure : Systolic ..... Diastolic .....
9. Abdomen : Girth .....  
Tenderness .....  
Hernia .....
- (a) Palpable Liver ..... Spleen  
Kidneys ..... Tumours
- (b) Haemorrhoids ..... Fistula
10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities .....
11. Loco-Motor System : Any abnormality .....
12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele, etc.
- Urine Analysis :
- (a) Physical appearance .....
- (b) Sp. Gr. ....
- (c) Albumen .....
- (d) Sugar .....
- (e) Casts .....
- (f) Cells .....

13. Report of X-Ray Examination of Chest .....

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate .....

NOTE.—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, vide regulation 9.

.....

15. (a) For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit ?

.....

(b) Is the candidate fit for FIELD SERVICE ?

NOTE.—The Board should record their finding under one of the following three categories :

- (i) Fit
- (ii) Unfit on account of .....
- (iii) Temporarily unfit on account of .....

President .....

Member .....

Place .....

Date : .....

### APPENDIX III

Brief particulars relating to the posts for which recruitment is being made through this examination.

#### 1. Geological Survey of India

##### (1) Geologist (Junior) Group A—

(a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years, which may be extended, if necessary.

(b) During the period of probation the candidates may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests as may be prescribed by the competent authority.

(c) Prescribed scales of pay in the Geological Survey of India.

- (i) Geologist (Junior) (Junior Scale) Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
- (ii) Geologist (Senior) (Senior Scale) Rs. 1100—50—1600.
- (iii) Director (Geology) Rs. 1500—60—1800—100—2000.
- (iv) Deputy Director General (Geology) Rs. 2250—125½—2500.
- (v) Senior Deputy Director General (Operations) Rs. 2500—125½—2750.
- (vi) Director General Rs. 3000 (fixed).

(d) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(g) All officers of Geological Survey of India are liable for service in any part of India or outside India.

##### (2) Assistants Geologist Group B—

(a) Candidates selected for appointed will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

(b) During the period of probation the candidates may be required to undergo such course of training and instructions and to pass such examinations and tests as may be prescribed by the competent authority.

(c) Prescribed scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200.

(d) Recruitment to the Cadre of Geologist (Group A—Junior Scale) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination, and partly through D.P.C. by promotion from the next lower grade of Assistant Geologist of the Geological Survey of India in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(e) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(f) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

(g) Assistant Geologist are liable for service anywhere in India or outside India.

## 2. Central Ground Water Board

### (1) Junior Hydrogeologist Group A—

- (a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.

### (b) Prescribed scales of pay in the Central Ground Water Board :—

- (i) Junior Hydrogeologist—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.
  - (ii) Senior Hydrogeologist—Rs. 1100—50—1600.
  - (iii) Director—Rs. 1500—60—1800—100—2000.
  - (iv) Chief Hydrogeologist—Rs. 2250—125½—2500.
- (c) Promotions to the higher grades of posts in the Department will be made in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (e) Conditions of Provident Fund are those laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

- (1) All Officers of Central Ground Water Board are liable for service in any part of India or outside India.

### (2) Assistant Hydrogeologist, Group B—

- (a) Candidates selected for appointment will be appointed on probation for a period of two years which may be extended, if necessary.
- (b) Prescribed scale of pay—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—80—40—1000—EB—40—1200.
- (c) Recruitment to the cadre of Junior Hydrogeologist (Group A) will be made partly through the Union Public Service Commission competitive examination and partly through D.P.C. by promotions from the next lower grade of Assistant Hydrogeologist of the Central Ground Water Board in accordance with the recruitment rules subject to such modifications as may be made by the Government from time to time.
- (d) Conditions of service and leave and pension are those described in the Fundamental Rules and Civil Services Regulations respectively, subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (e) Conditions of Provident Fund are those laid down in General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.
- (f) Assistant Hydrogeologists are liable for Service anywhere in India or outside India.